



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 74]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 5, 2010/फाल्गुन 14, 1931

No. 74]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 5, 2010/PHALGUNA 14, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2010

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के फ्रन्ट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल्स” के बारे में पाटनरोधी जांच

सं. 14/19/2008-डीजीएडी.—यथानिर्दिष्ट प्राधिकारी ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) एवं समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफः (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए; चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के फ्रन्ट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल्स” (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की।

ख. मामले की पृष्ठभूमि :

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी भी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के फ्रन्ट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल्स (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से मै. भारत फोर्ज लि., पुणे से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।

3. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के फ्रन्ट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल्स के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करत हुए नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार 8 दिसम्बर, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भाग्न के राजपत्र में प्रकाशित किया गया ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क को उस राशि की संस्तुति की जा सके जिसे यदि लगाया जाएगा, तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी।

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अधिनियम एवं पाटनरोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित उपशीर्ष के अंतर्गत आने वाली संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश थी ।

उत्पाद	सीमाशुल्क वर्गीकरण
फ्रट एक्सल बीम	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
स्टियरिंग नकल्स	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

5. प्रारंभिक जांच परिणाम 24 अप्रैल, 2009 की अधिसूचना सं. 14/19/2008-डीजीएडी के तहत प्रकाशित किए गए थे और अनंतिम शुल्क 15 जून, 2009 की सी.श. अधिसूचना सं. 65/2009-सी.श. के तहत संबद्ध वस्तु पर लगाया गया था ।

ग. प्रक्रिया

6. इन कार्रवाइयों में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- i. पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया;
- ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उपलब्ध पतों के अनुसार 8 दिसंबर, 2008 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों एवं घरेलू उद्योग को भेजी इस जांच से संबंधित पार्टियों से प्रश्नावली का उत्तर दायर करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन और प्रश्नावली की प्रतियां इस अनुरोध के साथ ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थीं कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें ।
- iii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई ।
- iv. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावली भेजी :

1. हुबाई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग कंपनी, 34, चेंगगुआनझेनहाऊ रोड, गुचेंग काउंटी, हुबाई प्राविन्स, चीन जन.गण.
2. हुबाई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग कंपनी, सं. 8 झुयांग रोड, गुचेंग काउंटी, जियांगफेन हुबाई प्राविन्स, चीन जन.गण.

3. हुबाई ट्राइ-रिंग मोटर स्टियरिंग, 175, यंग एन एवेन्यू, जियानिंग, हुबाई, चीन जन.गण.

उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है :

1. हुबाई ट्राइ-रिंग आटो-एक्सल कंपनी लि., सं. 34, हाऊ रस्ट्रीट चैंगगुआन टाउन, गुचेंग सिटी, हुबाई प्राविन्स, चीन जन.गण.
2. हुबाई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग कंपनी लि, सं. 8 झुयांग रोड, चैंगुयान गुचेंग काउंटी, हुबाई प्राविन्स, चीन जन.गण.
- V. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।

1. मै. अशोक लीलैंड लिमिटेड
2. मै. टाटा मोटर्स
3. मै. एशिया मोटर्स वर्क्स लि.
4. मै. आयशर मोटर्स
5. मै. फोर्स मोटर्स
6. मै. टाटा क्यूमिन्स
7. मै. महेन्द्रा एंड महेन्द्रा
8. मै. आटोमोटिव एक्सल्स लि.
9. मै. क्यूमिन्स इंडिया
10. मै. एमटेक आटो लि.
11. मै. एमटेक आटो लि.
12. मै. हेरिंग क्रेक शाफ्ट
13. मै. टाटा मोटर्स लि.
14. मै. महिन्द्रा फोर्जिंग्स लि.
15. मै. सोसायटी ऑफ इंडियन
ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स

इसके उत्तर में निम्नलिखित ने जवाब दिया है ।

1. अशोक लीलैंड लिमिटेड
2. एशिया मोटर वर्क्स लि.
3. मै. एमटेक ऑटो लि
4. मै. टाटा मोटर्स लि.

- vi. आवेदक द्वारा आई बी आई एस से जांच अवधि और पूर्ववर्ती 3 वर्षों के आयात आंकड़े एकत्र किए गए थे। डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा नहीं किया जा सका क्योंकि संबद्ध वस्तु का कोई अन्य कोड नहीं है क्योंकि इसका आयात किसी अन्य कोड में किया जा रहा है।
- vii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- viii. घरेलू उद्योग मानी जा रही मै. भारत फोर्ज लि., पुणे ने सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी ने सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की जाकि हुई क्षति का पता लगाया जा सके, उत्पादन की इष्टतम लागत, भारत में संबद्ध वरतु को बनाने और बेचने की लागत निकाली जा सके जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। कंपनी ने समस्त सांविधिक लेखा बहियों रखी हैं। चूंकि जिस सूचना पर भरोसा किया गया है, वह लेखा बहियों से ली गई है इसलिए प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा रखी गई लेखा बहियों से सत्यापित सूचना को स्वीकार किया है।
- ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने समस्त हितबद्ध पार्टियों को 13 जुलाई, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया। सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाली पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था।
- x. प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में किए गए अनुरोधों तथा हितबद्ध पार्टियों से सार्वजनिक सुनवाई के बाद प्राप्त लिखित अनुरोध में दिए गए तर्कों/उत्तरों पर संगत सीमा तक इस जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- xi. यह जांच 1.4.2008 से 30.9.2008 तक की 6 माह की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी और क्षति विश्लेषण वर्ष 2005-06, 2006-97, 2007-08 और जांच अवधि के लिए किया गया था।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों में महीनों की अलग-अलग संख्या है, इसलिए प्राधिकारी ने जांच अवधि के आंकड़ों की तुलना आनुपातिक आधार अर्थात् जांच अवधि के आंकड़ों को वार्षिकीकृत करके पूर्ववर्ती वर्षों के साथ की है ताकि उनकी तुलना पूर्ववर्ती वर्षों से की जा सके।

- xii. घरेलू उद्योग तथा चीन के सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना तथा आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था।
- xiii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को किया गया था। प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है।

- xiv. हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाली पार्टियों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।
- xv. जहां कहीं किसी हितबद्ध पार्टी ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से भना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह जांच परिणाम दर्ज किया है।
- xvi. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार इसे गोपनीय ही माना है।

घ. प्रकटन विवरण पर हितबद्ध पार्टियों की टिप्पणियां

कुछ हितबद्ध पार्टियों अर्थात् मै. हुबाई ट्राइरिंग ऑटो एक्सल कंपनी लि., चीन जन.गण., मै. हुबाई ट्राइरिंग फोर्जिंग कंपनी लि., चीन जन.गण., मै. अशोक लीलेंड लि. तथा मै. टाटा मोटर्स लि. की ओर से प्रकटन विवरण पर संक्षेप में निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं :

- सामान्य मूल्य की गणना का प्रकटन नहीं - उन्होंने सामान्य मूल्य के संघटकों तथा इस बात का प्रकटन करने की मांग की है कि इन संघटकों का आकलन किस प्रकार किया गया है।
- पहुंच मूल्य की गणना का प्रकटन नहीं - यह तर्क दिया गया है कि पहुंच मूल्य का प्रकटन करना चाहिए था और आगे यह बताया गया है कि सामान्य मूल्य में सस्त उपकर शामिल होना चाहिए।
- हुबाई ट्राइरिंग ऑटो एक्सल कंपनी लि. द्वारा दायर उत्तर हर तरह से पूर्ण है- यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को स्पष्टतः यह दर्ज करना चाहिए कि निर्यातक द्वारा दायर उत्तर हर तरह से पूर्ण है।
- उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण न करना धारा 9क(6क) के सुस्पष्ट उपबंधों के खिलाफ है- यह तर्क दिया गया है कि धारा 9क(6क) के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार से संबंधित प्रावधान अधिकारातीत हो गए हैं। चूंकि धारा 9क(6क) में कंपनी द्वारा रखे गए रिकॉर्डों के आधार पर सामान्य मूल्य के रिकॉर्डों का प्रावधान है इसलिए गैर बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित उपबंध अब अधिकारातीत बन गए हैं।

- एम ई टी दावों के निरसन हेतु दिए गए कारण सही नहीं हैं- चीन की कंपनियों ने स्वीकार किए गए इस तथ्य के बावजूद बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के निरसन पर प्रश्न उठाया है कि चीन की दोनों कंपनियों में चीन सरकार की पर्याप्त शेयरधारिता है और यह तथ्य को सिद्ध करने में वह विफल रही है कि चीन जन.गण. में इस्पात की कीमतों में बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं ।
- समान वस्तु का निर्धारण गलत है- यह तर्क दिया गया है कि चूंकि चीन के पतिवादियों ने केवल एक प्रकार के उत्पाद का निर्यात किया है, इसलिए समान वस्तु का निर्धारण केवल इसी प्रकार के संदर्भ में किया जाना चाहिए ।
- किया गया क्षति विश्लेषण गलत, अनुचित, तर्करहित और अत्यधिक त्रुटिपूर्ण है- उन्होंने निम्नलिखित आधारों पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का खंडन किया है ।

(क) आयात के आंकड़े- यह तर्क दिया गया है कि भरोसा की गई आयात की मात्रा चीन की प्रतिवादी निर्यात के आंकड़ों से मेल नहीं खाती है ।

(ख) वार्षिक आधार पर मांग का निर्धारण- यह तर्क दिया गया है कि आंकड़ों का वार्षिकीकरण इस वजह से सही नहीं है कि परवर्ती अवधि में कोई आयात नहीं हुआ था ।

(ग) घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा के निर्धारण का गलत आधार- उन्होंने क्षति निर्धारण का इस आधार पर खंडन किया है कि केवल अशोक लीलेंड को की गई बिक्रियों पर विचार किया जाना चाहिए ।

(घ) मांग में कमी के कारण- यह तर्क दिया गया है कि मांग में कमी के कारणों का उचित मूल्यांकन नहीं किया गया है ।

(ङ) कीमत प्रभाव का विश्लेषण झूटे एवं अपुष्टिकृत तथ्यों पर आधारित है - यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने चुनिन्दा ढंग से जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों का उपयोग किया है ।

घ.1 प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण जारी होने के बाद हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की निम्नानुसार जांच की है :-

(क) जहां तक सामान्य मूल्य के संघटकों के प्रकटन का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य की राशि और ऐसे सामान्य मूल्य के आकलन में अपनाई गई पद्धति का प्रकटन किया गया है । जहां तक सामान्य मूल्य के प्रकटन का संबंध है, चूंकि यह अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू उद्योग की गोपनीय सूचना पर आधारित होता है, इसलिए उसका प्रकटन नहीं किया जा सकता ।

(ख) यद्यपि, यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर में और कार्यवाही के दौरान किसी समय सामान्य मूल्य के दावे के बारे में कभी भी दावा नहीं किया है,

तथापि, प्राधिकारी ने उपकर की राशि के अलग-अलग प्रकारों को जोड़ने के बाद अब सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

(ग) जहां तक निर्यातक के इस तर्क का संबंध है कि धारा 9क (6क) के अंतर्गत गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के उपबंध अधिकारातीत बन गए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्धारण विधिक उपबंधों से पूर्णतः सुसंगत है।

जहां तक अन्य मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी ने उनकी जांच इन जांच परिणामों के संगत खंडों में की है।

उ विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तुएँ

घ. 1 घरेलू उद्योग के विचारः

7. घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

7.1 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के फ्रंट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल्स" हैं।

फ्रंट एक्सल बीम (एफ ए बी)

7.2 फ्रंट एक्सल बीम एक ऐसा एक्सल है जिस पर वाणिज्यिक वाहन के अगले पहिये लगाए जाते हैं जिसे आगे स्प्रिंग लीव द्वारा वाहन के चैसिस से जोड़ा जाता है। एफएबी सुरक्षा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मद है और इसके द्वारा वाहन का भार उठाया जाता है और स्टियरिंग को अपनी जगह पर रखा जाता है। एफएबी की विफलता का तात्पर्य है वाहन में तथा सड़क पर चल रहे लोगों की जान को जोखिम में डालना।

फ्रंट एक्सल बीम का निर्माण कार्बन इस्पात/अलॉय इस्पात से किया जाता है जो ताप उपचारित या ढलाई के बाद नियंत्रित प्रशीतित होता है। ताप उपचार मुख्यतः कड़ाई के लिए होता है और उसका तापमान फ्रंट एक्सल बीम के वास्तविक विनिर्देशन के अनुसार होता है। किसी फ्रंट एक्सल बीम में बीम के खंड को कम किए गए दबाव के अनुसार परिवर्तित किया जाता है। किसी फ्रंट एक्सल बीम में किंग पिन, खंड तथा गुजनेक एरिया जैसे अंतिम भाग शामिल होते हैं जिन्हें कोबरा भाग भी कहा जाता है। किंग पिन के स्थान पर स्टेयरिंग नकल किंगपिन के जरिए लगाए जाते हैं। फ्रंट एक्सल बीम का उपयोग वाहन के अगले भाग, सड़कों पर क्षैतिक एवं रैखिक भार को उठाने और आरामदायक सवारी हेतु स्प्रिंग लीव के जरिए एक गद्दे के रूप में काम करने के लिए मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों में किया जाता है।

स्टियरिंग नकल्स

7.3 स्टियरिंग नकल एक ऐसा पुर्जा है जिसे फ्रंट एक्सल बीम के अंत में लगाया जाता है। स्टीयरिंग नकल में एक जबड़ा होता है जिसे आर्म, फ्लैज तथा स्टेम भी कहा जाता है। स्टीयरिंग नकल आर्म के जरिए एक्सल बीम में जोड़ी जाती है। इसे किंगपिन के जरिए फिट किया जाता है तथा एक्सल आर्म पिन पर धूमती है जो प्रचालन में हल्की होती है। एक्सल बीम के सामने जोड़ी जाती है और पेपर पिन या इसी प्रकार की कुछ व्यवस्था के लॉक की जाती है।

नट और बोल्टों के उपयोग द्वारा हब को स्टियरिंग नकल पर लगाया जाता है जिस पर ब्रेक ड्रम, ब्रेक जैसे भाग फिट किए जाते हैं। ब्रेक ड्रम पर पहिया लगाया जाता है। स्टियरिंग नकल अत्यंत महत्वपूर्ण संघटक होते हैं और यह वाहन के स्टियरिंग को नियंत्रित करता है। स्टियरिंग नकल में किसी प्रकार की टूट-फूट या क्षति होने से वाहन की स्टियरिंग प्रभावित होगी जिससे नियंत्रण खो जाएगा और दुर्घटना हो सकती है।

7.4 फ्रंट एक्सल बीम और स्टियरिंग नकल्स निम्नलिखित तालिका के अनुसार सीमाशुल्क उपशीर्षों के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि, यह वर्गीकरण सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

उत्पाद	सीमाशुल्क वर्गीकरण
फ्रंट एक्सल बीम	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
स्टियरिंग नकल्स	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

7.5 घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वर्तु आयातित उत्पादों के समान वर्तु है।

ड2 आयातकों, उपभोक्ताओं निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

8. मै. एएमडब्ल्यू (एशिया मोटर वर्क्स लि., गुजरात) ने अपने उत्तर में यह उल्लेख किया है कि वे संबद्ध वर्तु का आयात नहीं करते हैं बल्कि (क) फर्स्ट आटोमोटिव वर्क्स (एफएडब्ल्यू), चीन (या उसकी सहायक कंपनियां) से फ्रंट एक्सल एसेम्बली (अचालित); तथा (ख) शान एक्सी हैंड एक्सल, चीन (या उसकी सहायक कंपनियां) से हव रिडक्शन टेंडम एक्सल एसेम्बली की मुकम्मल असेम्बली का आयात करते हैं। उनके द्वारा आगे यह तर्क दिया गया है कि ये वर्तुएं संबद्ध वर्तु से काफी भिन्न हैं और इनमें तकनीकी विनिर्देशन या संबद्ध वर्तु की लागत के अनुसार कोई समानता/एकरूपता नहीं है जैसा कि आवेदन में उल्लेख किया गया है और इस प्रकार ये समान वर्तुएं नहीं हैं। आगे यह उल्लेख किया गया है कि उनकी सर्वोत्तम सूचना और विश्वास के अनुसार मैसर्स भारत फोर्ज लि., पुणे द्वारा आयातित वर्तु का विनिर्माण नहीं किया जाता है। मुख्य रूप से यह तर्क दिया गया है कि वे समग्र

एकसल एसेम्बली का आयात करते हैं और यह कि हब रिडिक्शन टेंडम एकसल एसेम्बली का कोई घरेलू उद्योग नहीं है।

मै. एएमडब्ल्यू ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि उनके द्वारा चीन जन.गण. से आयातित फ्रंट एकसल एसेम्बली तथा हब रीडिक्शन टेंडम एसेम्बली को इस जांच में शामिल न किया जाए।

डृ३ प्राधिकारी द्वारा जांच

9. प्राधिकारी ने कुछेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए इस आशय के तर्क कि चीन के प्रतिवादी भारत को उत्पाद के एकमात्र निर्यातक हैं और उनके द्वारा एक ही प्रकार के उत्पाद का निर्यात किया गया है, समान वस्तु का निर्धारण उनके द्वारा निर्यातित इसी प्रकार के उत्पाद के संदर्भ में किया जाना चाहिए सहित उपर्युक्त अनुरोधों पर विचार किया है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि समान वस्तु का निर्धारण जांच की शुरूआत के समय वर्तमान मामले में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद के संदर्भ में करना होता है। तत्पश्चात जांच के क्षेत्र और विस्तार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, इसलिए समान वस्तु को चीन के प्रतिवादियों द्वारा निर्यातित उत्पाद प्रकार के संदर्भ में परिभाषित करना अपेक्षित नहीं है।

9.1 यह स्पष्ट किया जाता है कि वर्तमान जांच का दायरा और कार्यक्षेत्र केवल चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के केवल फ्रंट एकसल बीम तथा स्टियरिंग नकल्स के आयातों तक सीमित है और समूची एकसल एसेम्बली जांच के क्षेत्र का भाग नहीं है।

9.2 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित तालिका के अनुसार सीमाशुल्क उपशीर्ष के अंतर्गत वर्गीकृत भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के फ्रंट एकसल बीम तथा स्टियरिंग नकल्स है। तथापि, यह वर्गीकरण सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

उत्पाद	सीमाशुल्क वर्गीकरण
फ्रंट एकसल बीम	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
स्टियरिंग नकल्स	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

10. भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीन जन.गण. से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद में ऐसा कोई खास अंतर नहीं है जिसकी वजह से कीमत पर प्रभाव पड़ सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं

विषयन एवं वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि दोनों उत्पादों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार "विचाराधीन उत्पाद" को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ समान और एक ही उत्पाद मानना अपेक्षित है।

च. घरेलू उद्योग का आधार एवं क्षेत्र

च. 1 घरेलू उद्योग के विचार

11. मै. भारत फोर्ज लि., पुणे ने प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दायर किया है और प्राधिकारी ने आवेदक को घरेलू उद्योग माना है क्योंकि उसका उत्पादन पाटनरोधी नियमावली के अनुसार भारत में "समान वस्तु" के उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है।

12. पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए यह आवेदन मैसर्स भारत फोर्ज लिमिटेड पुणे द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने अनुरोध किया है कि फ्रंट एक्सल बीम के मामले में आवेदक एकमात्र उत्पादक है; स्टिरिंग नकल्स के मामले में आवेदक को छोड़कर अन्य उत्पादक अर्थात् महेन्द्रा फोर्जिंग लिमिटेड, एमटैक ऑटो लिमिटेड तथा हैरिंग क्रेंक शॉफ्ट हैं जो स्टिरिंग नकल्स का उत्पादन भी करते हैं। तथापि, भारत फोर्ज लिमिटेड द्वारा दायर आवेदन का महेन्द्रा फोर्जिंग लिमिटेड, एमटैक ऑटो लिमिटेड तथा हैरिंग क्रेंक शॉफ्ट ने पूर्ण समर्थन किया है। समर्थनकर्ता कंपनियों के साथ आवेदक कंपनी का प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन 50% से अधिक बनता है और वह भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग है।

13. हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे

टाटा मोटर्स लिमिटेड की आबद्ध खपत

13.1 चीन के उत्पादकों ने यह तर्क दिया है कि आवेदक ने टाटा मोटर्स लिमिटेड की आबद्ध खपत के बारे में गलत दावा किया है। उन्होंने यह तर्क दिया था कि मैसर्स एचवी एक्सल्स जमशेदपुर द्वारा भी संबद्ध वस्तु का उत्पादन किया जाता है और इसलिए क्षति एवं क्षतिरहित कीमत को इस इकाई के संबंध में भी देखा जाना चाहिए।

टाटा मोटर्स लि. ने अपने उत्तर में यह बताया है कि यह घरेलू विनिर्माता ही है जो अन्य चीजों के साथ-साथ भारी एवं मध्यम वाणिजियक वाहनों का विनिर्माण करता है। उसका हिस्सा एम सी वी तथा एच सी वी के घरेलू बाजार का लगभग 65-70% बनता है और यह कि वह संबद्ध वस्तु के लिए अपनी जरूरतों की खरीद घरेलू विनिर्माताओं अर्थात् भारत फोर्ज लि. (बी एफ एल) तथा अहमद नगर फोर्जिंग से करता है तथा उत्पादन जमशेदपुर स्थित उसके अपने फोर्जिंग प्रभाग अर्थात् एच वी एक्सल्स लि. (एच वी ए एल) से होता है। एच वी ए एल पूर्व में तत्कालीन टेल्को का एक्सल प्रभाग, की स्थापना टी एम एल की एक सहायक कंपनी के रूप में की गई थी। 31 मार्च, 2008 की स्थिति के अनुसार, टी एम एल की एच

वी ए एल में 85% हिस्सेदारी थी जबकि शेष 15% की धारिता टाटा कैपिटल के पास थी। एच वी ए एल द्वारा मुख्यतः टी एम एल फोर्ज प्रभाग से प्राप्त फोर्जिंग के अनुसार "उजरती कार्य" आधार पर टी एम एल की खपत हेतु एक्सलों का विनिर्माण किया जाता है। यद्यपि, एच वी ए एल द्वारा इस समय टी एम एल की जरूरतों की समग्र पूर्ति की जा रही है, तथापि, यह केन्द्रित ढंग से अन्य ग्राहकों के लिए एक्सल विकसित करने की प्रक्रिया में है। यह संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादक एवं अंतिम प्रयोक्ता के रूप में वर्तमान जांच के लिए आपत्तिजनक है।

14. आवेदक द्वारा किए गए आयात:

14.1 चीन के उत्पादकों ने यह तर्क दिया है कि आवेदक ने मैसर्स ऑटोमोटिव एक्सल्स लिमिटेड के जरिए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का परोक्ष आयात किया है।

15. निवेश में अंतर: चीन के उत्पादकों ने तर्क दिया है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन हेतु निवेश में अंतर होता है।

15.1 आवेदक ने प्राथमिक रूप से यह कहते हुए इस दावे का खंडन किया है कि यह मुद्दा तब तक असंगत है जब तक कि चीन की कंपनियां इस बात की पुष्टि नहीं कर देती हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के माहौल में प्रचालन कर रही हैं। चीन की कंपनियां जिस चीज को व्यवस्थापन का दावा करती हैं, हो सकता है कि वह "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के संकेतक का मुद्दा हो।"

16. इस्पात की खपत : चीन के उत्पादकों ने तर्क दिया है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादन के समय इस्पात की खपत में अंतर होता है।

16.1 आवेदक ने यह कहते हुए इस दावे का खंडन किया है कि मैसर्स भारत फोर्ज द्वारा भारत, स्वीडन, स्कॉटलैंड तथा चीन जन.गण. में स्थित अपने संयंत्रों में एक्सल बीम का उत्पादन किया जाता है। भारत में तथा विदेशों में अपने सभी संयंत्रों में प्रयुक्त उपकरण तथा प्रक्रियाएं एक समान हैं। आगे यह उल्लेख किया गया है कि मै. भारत फोर्ज द्वारा सीधे और अपनी सहायक कंपनियों के जरिए एक्सल बीम की आपूर्तियां वोल्वो, रिनॉल्ट, मसर्डीज, इवेको, डीएफ, एमएएन, मेरीटर, डाना जैसे ऑटोमोटिव उद्योग के समस्त प्रमुख विनिर्माताओं को की जाती हैं। (उनके जरिए अमरीका के समस्त प्रमुख ट्रक विनिर्माताओं को) और उनका विश्वव्यापी व्यापार का 50% से अधिक हिस्सा बनता है। यदि प्रक्रियाएं कुशल और लागत मितव्ययी नहीं होतीं तो कंपनी प्रतिरप्दी और इतने अधिक बाजार हिस्से पर काविज नहीं हो सकती थीं। मैसर्स भारत फोर्ज के उत्पाद गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए वैश्विक उद्योग में अपनी पहचान रखते हैं। अतः कंपनी उन सभी बाजारों में जहां वो प्रचालन व आपूर्ति करती है, अपना प्रमुख बाजार हिस्सा हासिल करने में समर्थ रही है। यह तर्क दिया गया है कि यह चीन के किसी विनिर्माता पर लागू नहीं होता है। चीन के उत्पादकों की अनुवित कीमत के कारण ही उनके बाजार हिस्से में इतनी अधिक कमी आई है जैरा कि नीचे अलग-अलग दी गई सूचना से पता चलेगा। वे बाजार में अपने उत्पादों और सेवाओं के आधार पर

प्रतिस्पर्धा करते हैं। तथापि, चीन के उत्पादकों ने काफी कम कीमतों की पेशकश की है और उन्होंने भारतीय बाजार का काफी बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से पता चलेगा। आवेदक का तर्क है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट अन्य भारतीय उत्पादकोंचे के कारण नहीं आई है। यह चीन जन.गण. से हुए आयातों के कारण आई है। इसके अलावा स्टीयरिंग नकल्स में अन्य भारतीय उत्पादकों ने भी बाजार हिस्सा गंवाया है।

बाजार हिस्सा %	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं.08 (जांच अवधि)	अक्टू.-दिसं.08
फ्रंट एक्सल कीम					
चीन जन.गण.	-	-	1.29	23.78	61.80
घरेलू उद्योग	100	100	98.71	76.22	38.20
स्टीयरिंग नकल्स					
चीन जन.गण.	-	-	6.14	17.47	98.95
घरेलू उद्योग	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
अन्य भारतीय उत्पादक	64.65	56.24	54.02	49.93	0

च.2 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच:

17. टाटा मोटर्स लि. की आबद्ध खपत

प्राधिकारी ने आवेदक से स्पष्टीकरण मांगा था। आवेदक ने यह कहते हुए उपर्युक्त दावे का खंडन किया कि मैसर्स एचवी एक्सल्स जमशेदपुर टाटा मोटर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। उन्होंने यह उल्लेख किया है कि फोर्जिंग का उत्पादन टाटा मोटर्स लिमिटेड द्वारा किया जाता है और मैसर्स एचवी एक्सल्स द्वारा मशीनिंग तथा असेम्बली कार्य किए जाते हैं और उसकी आपूर्ति टाटा मोटर्स लि. को कर दी जाती है। मै. एच.वी.एक्सल्स लिमिटेड द्वारा इन उत्पादों की आपूर्ति किसी अन्य ग्राहक को नहीं की जाती है। टाटा मोटर्स के फोर्जिंग संयंत्र द्वारा किसी अन्य ग्राहक को फोर्जिंग की आपूर्ति नहीं की जाती है। यद्यपि ये दो अलग-अलग विधिक सत्ताएं हैं तथापि, मैसर्स एच वी एक्सल्स जमशेदपुर 100% स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है (और न कि केवल एक संबद्ध कंपनी) इसके अलावा, फोर्जिंग के बड़े कार्य टाटा मोटर्स.लिमिटेड द्वारा अपने संयंत्र में ही किए जाते हैं। उन्होंने आगे यह तर्क दिया है कि इस बात की संभावना है कि मशीनिंग और असेम्बली कार्य दोनों कंपनियों के बीच छजरती कार्यछ हों और ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि इन दोनों के बीच कोई बिक्री तथा खरीद होती हो। यद्यपि, इस मुद्दे से भी कोई खास अंतर नहीं पड़ता है। मैसर्स एच.वी.एक्सल, जमशेदपुर, केवल टाटा मोटर्स लिमिटेड का एक अभिन्न भाग है और वह उसे ही आबद्ध आपूर्तियां करता है। दोनों कंपनियों के बीच कारोबारी व्यवस्थाओं के कारण चीन के उत्पादकों द्वारा पाटन और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रस्तावित जांच से किसी भी हालत में दोनों पार्टियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. टाटा मोटर्स के अनुरोधों से घरेलू उद्योग के तर्कों का खंडन होता है ।

17.1 इस संदर्भ में प्राधिकारी पिंग आयरन मैन्यु.एसो.बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, के मामले में सेस्टेट के निर्णय (697/98-एडी में अपील सं.सी/692 तथा 66/99-एडी में अपील सं. सी/63 में 15/2000-एडी, दिनांक 21.1.2000 में अंतिम आदेश सं. 6) के संदर्भ को भी नोट करते हैं जिसमें माननीय न्यायाधिकरण ने अन्य बातों के साथ-साथ यह निर्णय दिया था कि घरेलू उद्योग की गणना करते समय आबद्ध खपत को अलग बाजार माना जाए ।

आवेदक द्वारा किए गए आयात:

17.2 आवेदक द्वारा इस दावे का भी खंडन यह कहते हुए किया गया है कि मै. ऑटोमोटिव एक्सल्स लि., अरबिन मेरीटर, यू.एस ए तथा मै. भारत फोर्ज के बीच संयुक्त उद्यम है और वह फ्रेंट एक्सल संयोजनों की आपूर्ति वाहनों के ऐसे कुछेक मॉडल के लिए एशिया मोटर वर्क्स को करता है जिनके लिए फोर्जिंग की आपूर्ति मै. भारत फोर्ज लि. द्वारा की जाती है । आवेदक की सूचना के अनुसार मै. एशिया मोटर वर्क्स द्वारा चीन जन.गण. से वाहनों के कुछ मॉडलों के लिए पूर्ण एक्सल का सीधे आयात किया जाता है । मै. एशिया मोटर वर्क्स तथा मै. भारत फोर्ज लि. के बीच कोई संबंध नहीं है । आवेदक ने यह दावा किया है कि उसने मै. ऑटोमोटिव एक्सल्स से इस बात की पुष्टि की है कि उसने चीन जन.गण. से किसी फ्रेंट एक्सल बीम या स्टीयरिंग नकल्स का आयात नहीं किया है और उसने प्राधिकारी को मै. ऑटोमोटिव एक्सल्स द्वारा जारी एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि उनके द्वारा चीन जन.गण. से फ्रेंट एक्सल बीम या स्टीयरिंग नकल्स का कोई आयात नहीं किया गया है ।

17.3 प्राधिकारी पिंग आयरन मैन्यु.एसो.बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय के मामले में आबद्ध खपत को अलग रखने हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय को नोट करते हैं जिसे माननीय न्यायाधिकरण ने बरकरार रखा है ।

17.4 पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नानुसार उपबंध है :-

(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वर्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वर्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वर्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वर्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

17.5 उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) आवेदक द्वारा प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है (ख) समर्थकों के साथ आवेदक द्वारा प्रत्येक संबद्ध वस्तु का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है । (ग) यह आवेदन पाटनरोधी नियमों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है । इस प्रकार प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए भारत फोर्ज लिमिटेड पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है ।

छ. पाटन मार्जिन

छ.1 निर्यातकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

मै. हुबाई ट्राइरिंग आटो एक्सल कंपनी लिमिटेड (एच टी आर ए ए)

18. हुबाई ट्राइरिंग आटो एक्सल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ने यह बताया है कि एफएबी का निर्माण कार्बन इस्पात/अलॉय इस्पात से किया जाता है । भारतीय विनिर्माता हॉट प्रेस प्रक्रिया का उपयोग करते हैं । हॉट प्रेस प्रक्रिया के लिए उच्च क्षमता की प्रेस सामान्यतः ***मी.ट. की प्रेस की जरूरत होती है । इस प्रक्रिया में फोर्जिंग या प्रेसिंग अपशिष्ट महत्वपूर्ण होता है । दूसरी ओर वे नई चौल फॉर्मिंग-कम-हॉट प्रेसछ प्रक्रिया का उपयोग करते हैं । उन्होंने इस नई प्रक्रिया की खोज की है जिसमें सर्वप्रथम वे तप्त इस्पात के बिलेट को अपेक्षित आकार में परिवर्तित करने के लिए रोलिंगछ का उपयोग करते हैं और तत्पश्चात अंतिम रूप प्रदान करने के लिए तुलनात्मक रूप से कम क्षमता वाली प्रेस का उपयोग करते हैं । वे रोलिंग के 3 या 4 चरण उपयोग में लाते हैं और तत्पश्चात रोल्ड उत्पाद की ढलाई ***मी.ट. प्रेस के उपयोग से की जाती है । यद्यपि छोटे पुर्जों के उत्पादन हेतु चौल फॉर्मिंगछ प्रक्रिया का उपयोग कई वर्षों से प्रचलन में है । तथापि, उनकी कंपनी ऐसी प्रथम कंपनी है जिसने एफएबी के विनिर्माण हेतु और वह भी बड़े पैमाने पर चौल फॉर्मिंगछ तथा च्हॉट प्रैसछ का संयुक्त रूप में उपयोग किया है । इस प्रक्रिया का विकास उनकी कंपनी ने स्वदेश में किया है और उनके पास इसका पेटेंट है । उन्होंने यह तर्क दिया है कि उनकी पेटेंटशुदा प्रक्रिया में रोलिंग चरण में ***% से अधिक की फॉर्मिंग पूरी हो जाती है और फोर्जिंग प्रेस के उपयोग से अंतिम रूप प्रदान किया जाता है ।

18.1 निर्यातक ने यह भी उल्लेख किया है कि भारतीय विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त हॉट प्रेस प्रक्रिया के लिए ***मी.ट. की प्रेस की जरूरत होती है जबकि उनकी प्रक्रिया के लिए केवल ""मी.ट. प्रेस की ही जरूरत होती है । उनकी प्रक्रिया (रोलिंग मशीन तथा कम क्षमता वाली प्रेस) के लिए अपेक्षित पूंजी निवेश उसी उत्पादन क्षमता के लिए हॉट प्रेस प्रक्रिया के लिए अपेक्षित निवेश का लगभग *** होता है । इस प्रक्रिया के अंतर्गत अपशिष्ट भारतीय विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया की तुलना में कम रहता है । डाई, रोलर तथा अन्य ट्रूलिंग लागत भी उनकी प्रक्रिया में काफी कम होती है । हॉट प्रेस प्रक्रिया की तुलना में बिजली की खपत भी कम होती है ।

18.2. जहां तक फ्रेंट एक्सल बीम का संबंध है, निर्यातक ने भारत को निर्यातित और चीन जन.गण. के घरेलू बाजार में विक्रीत उत्पाद के बीच अंतर को सामग्री/भाग/फोर्जिंग भाग/प्रक्रियागत कठिनाई आदि के आधार पर स्वीकार किया है ।

18.3 उन्होंने यह भी बताया है कि उनके द्वारा दायर उत्तर हर तरह से पूर्ण है और यह कि उत्पादकों तथा निर्यातकों ने एच टी आर ए ए द्वारा दायर परिशिष्ट-2 के अनुसार एक संयुक्त उत्तर दायर किया है, जिसमें यह बताया गया है कि सौदे एच टी आर एम एस के जरिए किए गए हैं जिनका उल्लेख पृथक उप योग के साथ किया गया है । इस प्रकार इन समस्त सौदों के संबंध में पूर्ण सूचना प्रदान की गई है । तथापि, यह स्वीकार किया गया है कि निर्यातक एच टी आर एम एस ने पृथक उत्तर दायर नहीं किया है क्योंकि एच टी आर एम एस ने भारत को निर्यात नहीं किया है अतः उनके लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने की जरूरत नहीं है, इसलिए एच टी आर एम एस द्वारा पृथक उत्तर दायर करने का प्रश्न नहीं उठता है ।

बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा

18.4 यह तर्क दिया गया है कि उसने कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं, उन आपूर्तिकर्ताओं के विधिक दर्जे आदि के बारे में पूर्ण व्यौरे प्रदान किए हैं । आगे यह तर्क दिया गया है कि कच्ची सामग्री का कोई भी आपूर्तिकर्ता एच टी आर ए ए से संबंधित नहीं है और यह कि इस्पात या कटिंग टूल्स का कोई भी आपूर्तिकर्ता एच टी आर ए ए से संबंधित नहीं है तथा विद्युत एवं जल शुल्क को आपूर्तिकर्ता कंपनी के विनियम के अनुसार औद्योगिक विद्युत हेतु समय भागीदारी कीमत के अनुसार प्रभारित किया जाता है ।

18.4.1 जहां तक प्रमुख शेयर धारक की स्थिति रखने वाले किसी एन एम ई में राज्य के मुद्दे का संबंध है, ज़िजियांग जिनान कैमिकल इंड ग्रुप कंपनी लि. बनाम यूरोपीय संघ की परिषद में यूरोपीय संघ में सर्वप्रदरथम (फोर्थ चैम्बर) के निर्णय की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है जिसमें न्यायालय ने यह मत दिया था कि "जहां किसी उपक्रम पर राज्य का नियंत्रण एक ऐसा मामला है जिस पर विचार किए जाने की संभावना हो सकती है, वहां स्वयं यह पर्याप्त नहीं होता है कि उक्त प्रावधान के अर्थ के भीतर "राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप" की मौजूदगी को प्रदर्शित किया जाए"

18.4.2 यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड के अनुसार प्रतिवादी एम ई टी उत्तर में प्रस्तुत समस्त साक्ष्य पर विचार करना चाहिए न कि यह मानना चाहिए कि मात्र किसी कंपनी में राज्य की शेयरधारिता की वजह से वह कंपनी एम ई टी की हकदार नहीं है ।

खपत मानक

18.5 यह तर्क दिया गया है कि खपत मानकों का बाजार अर्थव्यवस्था के दावों से कोई लेना देना नहीं है और यह कि किसी निविष्ट की वास्तविक खपत से बाजार के स्वरूप के अनुसार

कोई परिवर्तन नहीं होता है। कच्ची सामग्री की खपत प्रयुक्त विनिर्माण प्रक्रिया पर निर्भर होती है। अब यह तर्क दिया गया है कि आवेदन में प्रदत्त आंकड़ों की समीक्षा से यह पता चलता है कि आवेदक ने 17 किग्रा. को आयातित स्टियरिंग नकल्स के नग वार भार के रूप में लिया है। इस प्रकार इस आंकडे का प्रयोग आयात नग के आंकड़ों (चीन से संबद्ध आयातों के लिए) को किग्रा. में परिवर्तित करने के आधार के रूप में किया गया है। तथापि, एच टी आर एफ द्वारा प्रस्तुत संबद्ध वस्तु के लिए सही भार वस्तुतः 16 किग्रा. प्रति नग था। आवेदक द्वारा अपेक्षित परिवर्तन भार में 1 किग्रा. के इस अंतर और एच टी आर एफ के आंकड़ों के अनुसार वास्तविक भार को लागू किए जाने के परिणामस्वरूप आवेदक के दावे के अनुसार संबद्ध वस्तु की आयात कीमत में 9 रुपए - या 6.25% की सी आई एफ कीमत/किग्रा. में वृद्धि हुई है। आवेदक की गणना पद्धति सही नहीं है क्योंकि इसमें निर्यात कीमत को 6% से कम बताया गया है अतः प्राधिकारी को संबद्ध वस्तु स्टियरिंग नकल्स के लिए नगवार भार को अपने पाठन की गणना में 16 किग्रा. लिया जाना चाहिए।

विनिर्माण प्रक्रिया में अंतर

एफएबी

19. यह तर्क दिया गया है कि एच टी आर ए ए द्वारा प्रयुक्त विनिर्माण प्रक्रिया के लिए कम पूंजी निवेश अपेक्षित होता है। इसकी वजह यह है कि एच टी आर ए ए "रोल फॉर्मिंग कम हॉट प्रेस" प्रक्रिया का प्रयोग करता है जिसके लिए फोर्जिंग प्रयोजनार्थ केवल *** मी.ट. प्रेस की जरूरत होती है। दूसरी ओर बी एफ एल द्वारा *** मी.ट. उच्च क्षमता की प्रेस द्वारा हॉट फोर्जिंग प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। "रोल फॉर्मिंग कम हॉट प्रेस" प्रक्रिया से बी एफ एल द्वारा प्रयुक्त हॉट फोर्जिंग प्रक्रिया से कम अपशिष्ट उत्पन्न होता है। कम अपशिष्ट की वजह से निविष्टि का भार कम होता है और विनिर्माण लागत कम आती है। आवेदक और एच टी आर ए ए द्वारा प्रयुक्त विनिर्माण प्रक्रिया में अंतर को एच टी आर ए ए द्वारा अपशिष्ट में कमी प्रदर्शित करते हुए रिकॉर्ड में दर्ज किया है। यह तर्क दिया गया है कि एच टी आर ए ए को अपनी पैटेंटशुदा प्रक्रिया से लाभ मिलता है। एच टी आर ए ए की पैटेंटशुदा प्रक्रिया के लिए भारत फोर्ज द्वारा अपेक्षित पूंजी निवेश के लगभग एक तिहाई के बराबर पूंजी निवेश की जरूरत होती है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है कि एच टी आर ए ए की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप कम अपशिष्ट की वजह से एच टी आर ए की प्रक्रिया में उत्पादित प्रति फ्रंट एक्सल बीम के लिए निविष्टि के कम भार की अपेक्षा होती है। (भारत फोर्ज द्वारा हॉट फोर्जिंग प्रोसेस द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया -अथवा एफ ए बी द्वारा उत्पादित वस्तु से 11 किग्रा. कम की अपेक्षित *** किग्रा. के प्रतिकूल रोलिंग कम फोर्जिंग प्रक्रिया के उपयोग द्वारा एफ ए बी के उत्पादन हेतु *** किग्रा. लौह)।

सत्यापन रिपोर्ट पर कंपनी की टिप्पणियाँ

20. यह तर्क दिया गया है कि

- निदेशकों की नियुक्ति में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है फ

- कंपनी तथा राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं स्थानीय सरकारों के बीच कोई संबंध नहीं है ।
- निदेशक मंडल का चयन शेयरधारकों द्वारा किया जाता है और निदेशक मंडल द्वारा कंपनी को "शेयरधारकों" द्वारा प्रदत्त प्राधिकार के भीतर चलाया जाता है । समस्त प्रचालनात्मक निर्णय कंपनी के कार्यकारी अधिकारियों अथव अपेक्षानुसार निदेशक मंडल द्वारा लिए जाते हैं । कंपनी के वर्तमान निदेशक मंडल में 9 सदस्य हैं । उपर्युक्त प्रत्येक निदेशक के पास निदेशक मंडल पर मत देते समय एक मताधिकार होता है । कंपनी के लिए किसी सरकारी प्राधिकारी को निदेशकों/प्रबंधकों की नियुक्ति के बारे में अधिसूचित करना अपेक्षित नहीं होता है । कंपनी के लिए व्यापार लाइसेंस के अलावा, संबद्ध उत्पाद के उत्पादन या निर्यात हेतु किसी प्राधिकार या अनुमति की जरूरत नहीं होती है । कंपनी किसी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष मात्रात्मक प्रतिबंधों के अधीन नहीं है । व्यापार लाइसेंस द्वारा अनुमोदित व्यापार क्षेत्र में कंपनी के व्यापार कार्यकलापों में अन्य संगठनों या कंपनियों द्वारा हस्तक्षेप नहीं किया जाता है । कंपनियों द्वारा बिक्री प्रचालनों पर स्वयं निर्णय लिया जाता है । कंपनी द्वारा सरकार या सरकारी संगठनों की भागीदारी या उनके प्रभाव के बिना बाजारी मांग के अनुसार कीमत तथा मात्रा तय की जाती है । कंपनी के भीतर सी एफ ओ तथा 3 अन्य उप महाप्रबंधकों की एक समिति बैचे गए उत्पादों की कीमत का निर्णय लेती है । सरकार द्वारा ऐसा कोई अधिनियमन या अन्य औपचारिक उपाय लागू नहीं किया गया है जिससे कंपनी के निर्यात कार्यकलाप नियंत्रित होते हों । कंपनी की निर्यात राजस्व के उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं है । कंपनी इस समय भारत को केवल उत्पादों का निर्यात कर रही है और उसने अन्य देशों के साथ कोई निर्यात व्यापार नहीं किया गया है । भारत को बैचे गए उत्पाद की कीमत भारतीय ग्राहकों के साथ सीधी वार्ता द्वारा तय होती है । बातचीत की प्रक्रिया और अंतिम कीमत का निर्धारण पूर्णतः क्रेता और आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाता है । कोई तीसरी पार्टी कोई हस्तक्षेप नहीं करती है ।
- उत्पादों के लिए कच्ची सामग्री की खरीद निम्नलिखित माध्यमों से की जाती है । चीन में घरेलू इस्पात मिलों द्वारा इसकी आपूर्ति उत्पादन की जरूरतों के अनुसार सीधे अल्यावधिक संविदाओं के जरिए की जाती है; भारत को निर्यातित एफ ए बी के लिए प्रयुक्त कच्ची सामग्री की आपूर्ति देई स्पेशल स्टील कंपनी लि. द्वारा की जाती है जो ग्राहकों द्वारा अनुमोदित है । हम किसी अन्य आपूर्तिकर्ता से कच्ची सामग्री की खरीद नहीं कर सकते हैं । यह देई स्पेशल स्टील कंपनी लि. सेनझेन रस्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध शेयरों (000708) द्वारा सीमित एक कंपनी है ।
- भारत को निर्यातित उत्पादों के उत्पादक हेतु कंपनी द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री का व्यापार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नहीं किया जाता है अतः निविष्टियों के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय कीमत नहीं है ।

मै.हुबाई ट्राइरिंग फोर्जिंग कंपनी लि., चीन जन.गण.

21. "स्टीयरिंग नकल्स" की विनिर्माता और निर्यातक मै.हुबाई ट्राइरिंग फोर्जिंग कंपनी लि., चीन जन.गण. ने यह उल्लेख किया है कि उनके द्वारा और मैसर्स भारत फोर्ज-भारतीय

विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया काफी अलग है जैसे कि : भारत फोर्ज में ***एक्सल आर्म की ढलाई *** टी स्क्रू प्रेस मशीन पर की जाती है (उपकरण की कीमत ***आरएमबी है), किंतु उनकी कंपनी में इसकी ढलाई *** टी स्टॉम्पिंग हैमर से की जाती है (उपकरण की कीमत *** आरएमबी है)। इस प्रकार उनकी प्रक्रिया के लिए अपेक्षित निवेश काफी कम है तथा लागत भी कम है। भारत में भी जो अन्य कंपनी उसी उत्पाद की आपूर्ति अशोक लीलैंड अर्थात् अहमद नगर फोर्जिंग लि.(एम टैक ग्रुप की) को करती है, वह भी स्टॉम्पिंग हैमर प्रक्रिया का उपयोग करती है और उनकी बिक्री कीमत उनकी बिक्री कीमत से कम होती है। आगे यह बताया गया है कि 20 वर्ष से अधिक के अनुभव के आधार पर उन्होंने ऐसी प्रक्रिया तैयार की है जो मशीनिंग के लिए कम जगह को छोड़कर फोर्जिंग स्तर पर इष्टतम आकार और प्रकार प्रदान कर सकती है। इससे कच्ची सामग्री की खपत के अनुपात में भी सुधार हुआ है। इस हेतु *** किंग्रा. के तैयार भार के लिए वे *** किंग्रा. इस्पात का उपयोग करते हैं जबकि मै. भारत फोर्ज *** किंग्रा. इस्पात का उपयोग करता है। *** किंग्रा. की बचत से लागत में भारी कमी आती है। भारतीय विनिर्माता इस्पात विनिर्देशन *** का उपयोग करते हैं। जबकि वे विनिर्देशन *** का उपयोग करते हैं। भारतीय विनिर्माता द्वारा प्रयुक्त इस्पात विनिर्देशन उनके द्वारा प्रयुक्त इस्पात विनिर्देशन से महंगा है। जबकि उनके गुण-धर्म एक समान हैं। उनके द्वारा अलग-अलग वैलिंग सामग्री का उपयोग करते हुए उन्नत डाई मरम्मत पद्धति का उपयोग किया जाता है जिससे डाई की कार्यावधि में वृद्धि होती है जिससे तैयार उत्पाद की प्रति इकाई चल लागत कम हो जाती है।

21.1 जहां तक स्टीयरिंग नकल्स का संबंध है, निर्यातिक ने आउटर शेप, प्रयुक्त सामग्री, फोर्जिंग, स्टाइल, मशीनिंग प्रक्रिया और प्रयुक्त फोर्जिंग उपकरण जैसी समानताओं के आधार पर भारत को निर्यातित तथा घरेलू बाजार में विक्रीत उत्पाद के बीच समानताओं का दावा किया है। तथापि निर्यातिक ने यह भी स्वीकार किया है कि भारत में विक्रीत और चीन जन.गण. में विक्री स्टीयरिंग नकल्स में भौतिक विशेषताओं के कारण अंतर है।

21.2 यह तर्क दिया गया है कि कच्ची सामग्री की निविष्टियों के आपूर्तिकर्ता एवं टी आर एफ से संबंधित हैं, विद्युत शुल्क विद्युत कंपनी के विनियम के अनुसार प्रभारित किया जाता है और जल शुल्क औद्योगिक प्रयोजन हेतु स्थानीय जल कीमत के अनुसार प्रभारित किया जाता है।

21.3 यह तर्क दिया गया है कि कम पूंजी निवेश की जरूरत प्रयुक्त प्रेस के अपेक्षाकृत कम आकार (और इस प्रकार कीमत) के परिणामस्वरूप होती है। विशेष रूप से यद्यपि भारत फोर्ज *** टी स्क्रू प्रेस मशीन का उपयोग करता है जिसकी लागत *** मिलियन आर एम बी है, एच टी आर एफ *** टी स्टैंपिंग हैमर का उपयोग करता है जिसकी लागत केवल *** मिलियन आर एम बी है। इन दोनों मशीनों की खरीद कीमत में अंतर से ही एफ एल की तुलना में एच टी आर एफ द्वारा अपेक्षित काफी कम पूंजी निवेश का पता चलता है। इसके अलावा, एच टी आर एफ द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया के बी एफ एल द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया की अपेक्षा कम इस्पात की जरूरत होती है। विशिष्ट तौर पर *** किंग्रा. के समान तैयार भार के लिए एच टी आर एफ *** किंग्रा. इस्पात

का उपयोग करता है जबकि बी एफ एल *** किंग्रा, इस्पात का उपयोग करता है। *** किंग्रा, की इस बचत से बी एफ एल की तुलना में एच टी आर एफ की लागत में अत्यधिक कमी आ जाती है। एच टी आर एफ की डाई रिपेयर पद्धति में अलग वेल्डिंग सामग्री का प्रयोग किया जाता है जिससे डाई की अवधि बढ़ जाती है। इसकी वजह से बी एफ एल की तुलना में तैयार उत्पाद की प्रति इकाई कम प्रचालन लागत आती है।

22. कंपनी द्वारा सत्यापन रिपोर्ट पर टिप्पणियां

- यह तर्क दिया गया है कि निदेशकों की नियुक्ति में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है।
- कंपनी का कारोबार लाइसेंस एक ऐसा प्रमाण पत्र है जिसमें यह उल्लेख है कि कंपनी के पास कारोबार का उचित अधिकार और कारोबार करने का अधिकार है। इस लाइसेंस में कंपनी के प्रचालन पर कोई सीमा नहीं लगाई जाती है अथवा कंपनी के लिए कोई हकदारी सृजित नहीं होती है।
- कंपनी का राष्ट्रीय या स्थानीय सरकार से कोई संबंध नहीं है।
- कंपनी की समस्त संपत्तियां हमारी कंपनी के समग्र शेयरधारकों की हैं। उन्हें कर-पश्चात लाभ मिलता है और वे कंपनी को हुआ नुकसान उठाते हैं।
- ट्राई रिंग फोर्जिं शेयरधारकों द्वारा नियंत्रित है और निदेशक मंडल कंपनी की कार्यकारी एजेंसी है। निदेशकों की संस्तुति और उनका चयन शेयरधारकों द्वारा किया जाता है, बोर्ड महाप्रबंधक को नियुक्त करता है जो बाद में उप महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ कार्यकारियों की नियुक्ति करता है। कंपनी के वर्तमान निदेशक मंडल में 7 सदस्य हैं। प्रत्येक निदेशक के पास एक मताधिकार है।
- कंपनी के लिए संबंधित उत्पाद के निर्यात हेतु कोई प्राधिकार अपेक्षित नहीं होता है। कंपनी किसी निर्यात कोटा के अधीन नहीं है। कारोबार लाइसेंस द्वारा अनुमोदित व्यापार क्षेत्र में कंपनी के बिक्री कार्यकलाप में अन्य संगठनों या कंपनियों का हस्तक्षेप नहीं होता है। कंपनी के बिक्री प्रचालन स्वयं तय किए जाते हैं। कंपनी द्वारा कीमत और मात्रा सरकारी संगठनों की भागीदारी या प्रभाव के बिना बाजार मांग के आधार पर तय की जाती है।
- सरकार का ऐसा कोई अधिनियमन या अन्य औपचारिक उपाय नहीं है जिससे कंपनी के निर्यात कार्यकलाप नियंत्रित होते हों। कंपनी के निर्यात राजस्व के उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- संबद्ध उत्पाद का निर्यात भारतीय बाजार को छोड़कर अन्य देशों को नहीं किया जाता है। कंपनी हमारे भारतीय ग्राहक-अशोक लीलैंड से सीधी बातचीत द्वारा कीमत तय करती है। यह कीमत किसी सरकारी संगठन/निकाय की ओर से समीक्षा या मार्गदर्शन के अधीन नहीं होती है। यह कंपनी किसी वाणिज्य मंडल की सदरय नहीं है।
- कंपनी लाभ के वितरण/प्रेषण तथा लगाई गई पूँजी के प्रेषण पर किसी प्रतिबंध के अधीन नहीं है।

- कच्ची सामग्री अलाय इस्पात की सरिया है। प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं :- होबाई दाई स्पेशल स्टील कंपनी, वुहान जियांग मेटेलिक मैटीरियल कंपनी तथा जियांगयिन जिगचेंग स्पेशल स्टील कंपनी।
- भारत को निर्यातित उत्पादों के उत्पादन हेतु कंपनी द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री का व्यापार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नहीं किया जाता है। अतः इस निविष्टि के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय कीमत उपलब्ध नहीं है।

छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

23. आवेदक ने तर्क दिया है कि उन्होंने निर्यातक द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया का मूल्यांकन किया है और उनका विश्वास है कि निर्यातक द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया में कुछेक अंतरनिहित गुणवत्तात्मक जोखिम हैं और इसलिए आवेदक ने उस प्रक्रिया को अपनाया है जिसका उपयोग विश्व भर की अधिकांश विख्यात विनिर्माण सुविधाओं में होता है और इसकी व्यापक ग्राहक स्वीकृति है। दोनों प्रक्रियाओं में अंतर इस तथ्य से सिद्ध हो जाता है कि यद्यपि, आवेदक वैश्विक रूप से बिक्री करता है और यह अनेक विख्यात ग्राहकों (जिनमें अशोक लीलेंड (भारत), टाटा मोटर्स (भारत), बैरीटोर (अमरीका), डाना (अमरीका) तथा डायमलर क्रिशलर (जर्मनी)) को आपूर्ति करने वाली विश्व की सबसे बड़ी फोर्जिंग कंपनी है तथापि, चीन के विनिर्माता इन सभी कंपनियों को बिक्री करने में समर्थ नहीं हैं और वे वस्तुतः भारतीय ग्राहक को उनके द्वारा प्रदत्त पर्याप्त कीमत लाभ के कारण ही भारत को बिक्री करने में समर्थ हैं।

23.1. आगे यह तर्क दिया गया है कि यद्यपि, चीन के उत्पादकों के पास अलग प्रेस है, तथापि, इसका तात्पर्य यह नहीं है कि प्रक्रिया या प्रौद्योगिकी अलग है। उत्पादन की प्रौद्योगिकी "ओपन फोर्जिंग", "क्लोज्ड फोर्जिंग", आदि हैं। ये निश्चित तौर पर एक समान है। शामिल प्रक्रिया निम्नानुसार है :

- बिलेट कटिंग :** धातु की छड़ों को तापन हेतु भट्टी में डालने के लिए विशिष्ट लंबाई के टुकड़ों में काटा जाता है। फोर्जिंग प्रक्रिया के बाद एक बिलेट एक भाग बन जाएगा।
- तापन :** बिलेट को प्रक्रिया विनिर्दिष्ट तापमान तक गर्म करना।
- डिस्केलिंग :** तापन प्रक्रिया के दौरान सनफेस्ड स्केल तैयार होता है। इसे डीस्केलर के जरिए तप्त ब्लेट से गुजार कर हटाया जाता है।
- रोलिंग:** ब्लेट को एक विशेष इम्प्रेशन मशीन पर रखकर रोलरों में से गुजारा जाता है। इस प्रचालन के दौरान ब्लेट का आकार बदल जाता है और ब्लेट का एकीकृत अनुप्रस्त काट डिजाइन की अपेक्षा के अनुसार एकीकृत नहीं रहता है। फ्रंट एक्सल बीम की रोलिंग हेतु सामान्यतः 2 पास रोलों का उपयोग होता है।
- बैंडिंग:** अपेक्षित मोड़ देने के लिए रोल्ड तप्त ब्लेट को बैंडिंग औजारों द्वारा फोर्ज किया जाता है।
- ब्लॉकर:** इस प्रचालन में मुड़े हुए ब्लेट को अंतिम भाग के आसपास का आकार दिया जाएगा। सामग्री के सुगम प्रवाह हेतु ब्लाकर आवश्यक है।

- छ. **फिनिशरः**:- इस फोर्जिंग प्रचालन में ब्लॉकर अपेक्षित अंतिम आकार देगा ।
- ज. **ट्रिमिंगः** ब्लॉकर एवं फिनिशर प्रचालन के दौरान ब्लेट की अतिरिक्त सामग्री फ्लैश के रूप में भाग के आस-पास आ जाती है । इस प्रचालन में इस फ्लैश को ट्रिम किया जाता है ।
- झ. **पैडिंगः** एक्सल बीम को पैड क्षेत्र में चपटा होना चाहिए । फोर्जिंग के दौरान कच्चा रूप आवश्यक है । इस कच्चे रूप को इस प्रचालन के दौरान स्ट्रेट फेस हेतु ऑयरन किया जाता है ।

इससे फोर्जिंग प्रचालन पूरा हो जाता है । इसके बाद बीम को ताप उपचारित तथा प्रोसेस किया जाता है ।

- ञ. **ताप उपचार :** बीम को एक निश्चित तापमान तक भट्टी में तप्त किया जाता है और उस तापमान पर कुछ घंटों तक रखा जाता है । इस प्रक्रिया से बीम को एकीकृत ग्रेन फलो प्राप्त हो जाता है और आवश्यक लंबाई से जुड़े गुण-धर्म मिल जाते हैं ।
- ट. **प्रोसेसिंगः** यहां शॉट ब्लास्टिंग के उपयोग से बीमों की सतह पर स्केलों को हटाया जाता है । इसके बाद दरार की जांच और आयाम संबंधी जांच की जाती है ।

उपर्युक्त प्रक्रियाएं दोनों के लिए समान हैं ।

सभवतः दोनों के बीच अंतर प्रैस के आकार/भार का है । तथापि, इससे प्रक्रिया या प्रौद्योगिकी में अंतर नहीं आता है ।

- 23.2 यह तर्क दिया गया है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए लागू नियमों के अनुसार चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाए । बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की "तुलनीय कीमत" के आधार पर सामान्य मूल्य निकालने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी हेतु ऐसे तीसरे देश में एक सहयोगी उत्पादक द्वारा उसकी उत्पादन लागत तथा अन्य समस्त संबद्ध सूचना तथा साक्ष्य (व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के दौरान समस्त सूचना सहित) के साथ की गई सभी घरेलू बिक्री के बारे में पूर्ण एवं व्यापक सत्यापनीय सूचना अपेक्षित होगी । आवेदक ने अनुरोध किया है कि चीन के उत्पादकों के लिए भारत को उचित प्रतिनिधि देश माना जाए क्योंकि भारत के लिए सही और पर्याप्त सूचना आसानी से प्राप्तव्य है । अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा भारत को एक उचित प्रतिनिधि देश माना जा रहा है और ऐसा कोई वास्तविक आधार नहीं है जिससे इस पर प्रतिबंध लगता हो ।

- 23.3 आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दावा करने के लिए शर्तों में से एक भी शर्त को पूरा करने में विफल रहना यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा-7 के अनुसार किया जाना चाहिए ।

छ.३ प्राधिकारी द्वारा जांच

24. 9क(1)(ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

छ.४ चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य

25. चीन जन.गण. के मूल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांचों में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार करना होता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंध है कि :

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के मूल्य के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो, किसी अन्य समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भारत में भुगतान की गई कीमत शामिल है, जिसमें यदि जरूरी हो, तो लाभ की समुचित मार्जिन को भी विधिवत समायोजित किया जाएगा।"

26. इसके अलावा पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह व्यवस्था है कि:

"8(1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश" शब्द का अर्थ ऐसा कोई देश है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागत या कीमत निर्धारण संरचनाओं के बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन करते हुए निर्धारित नहीं किया है क्योंकि ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के अनुसार पण्य वस्तुओं का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं करती हैं।

(2) ऐसी एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले तीन वर्ष की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है या माना गया है, को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाएगा;

बशर्ते कि तथापि यह कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ऐसे देश की संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना और साक्ष्य उपलब्ध कराके ऐसी किसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह सिद्ध करती हो कि वह देश उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

27. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप पैरा 3 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या :

- (क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों के कीमतों, लागत और निविष्टियों, कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन बिक्रियों और निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं जिनमें पूर्ति और मांग प्रदर्शित होता है और इस संबंध में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं।
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के हास, अन्य बड़े-खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान की दृष्टि से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त पर्याप्त विकृतियों के अधीन हैं।
- (ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और संपत्ति संबंधी उन कानूनों के अधीन हैं जो इन फर्मों की कानूनी निश्चितता और प्रचालन के स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के दो निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर सहित प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं जिनके आधार पर प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी सूचना जारी की थी और गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की थी। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की निम्नानुसार जांच की गई है :

29. सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने अन्य बातों के साथ-साथ यह नोट किया है कि प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष शेयरधारिता सहित मैं होबाई ट्राइरिंग कंपनी लि. में राज्य की कुल शेयरधारिता ***% है। दिनांक 31.12.2008 की स्थिति के अनुसार कंपनी में कुछ 42,825 शेयरधारक थे। होबाई ट्राइरिंग ऑटो एक्शल कंपनी लि. में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष शेयरधारिता सहित राज्य की कुल शेयरधारिता ***% थी। दोनों कंपनियों में अन्य किसी शेयरधारक की पर्याप्त शेयरधारिता नहीं है। यह नोट किया गया था कि कंपनियों के निदेशक मंडल में से अधिकांश की नियुक्ति राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा की जाती है। कंपनी से विशेष रूप से यह सिद्ध करने के लिए कहा गया था कि कंपनी के निर्णय राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और यह कि कच्ची सामग्री सहित निविष्टि की कीमत में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है। कंपनी यह प्रदर्शित करने में सफल नहीं रही कि निदेशकों की नियुक्ति में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है। कंपनी इन निविष्टियों की प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की तुलना में निविष्टियों की कीमत का ब्यौरा उपलब्ध कराने में असफल रही। यह पाया गया कि कंपनी ने मशीनीकृत एवं फोर्ज्ड दोनों प्रकार के एफ ए 50, एफ ए 90 तथा एफ ए 99 का भारत को निर्यात किया था। मुफ्त नमूनों के रूप में एफ ए 90 के 8 नगों का एकमात्र प्रेषण (वायु द्वारा) था जिसके लिए ग्राहक से कोई मूल्य नहीं मिला था। जहां तक दो मॉडलों एफ ए 90 तथा एफ ए 50 का संबंध है, कंपनी ने यह दावा किया कि ई क्यू 153 तथा स्टयरिंग नकल्स अत्यंत मिलते-जुलते मॉडल थे। तथापि, क्रेताओं के विनिर्देशनों के अनुसार घरेलू बाजार में बेचे गए मॉडलों में काफी अंतर था।

30. प्राधिकारी का यह मत है कि ऐसी स्थिति में जहां कंपनी में शेयरधारकों में से एक शेयरधारक उक्त कंपनी में पर्याप्त शेयर रखने वाली राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी है वहां राज्य के हस्तक्षेप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। उत्पादकों ने कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को नामजद किया है और उनकी विधिक हैसियत को अभिज्ञात किया है। कंपनियों ने इस बात की पुष्टि के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि निविष्टियों की खरीद प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर की गई है। इसी के साथ-साथ घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि वस्तुतः चीन जन.गण. की इस्पात की कीमतों में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन नहीं होता है।

31. प्राधिकारी ने चीन के प्रतिवादियों द्वारा प्रकटन विवरण पर प्रदत्त टिप्पणियों को नोट किया है और वह यह मानते हैं कि चीन की दोनों प्रतिवादी कंपनियों में राज्य की पर्याप्त शेयरधारिता है, उनके लिए यह सिद्ध करना अपेक्षित है कि वे किस प्रकार बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं। इस संबंध में यह उल्लेख किया जाता है कि बाजार अर्थव्यवस्था की हकदारी को सिद्ध करने का भार उन पर है न कि प्राधिकारी पर। इसके अलावा, खासकर ऐसी स्थिति में जहां दोनों कंपनियों में चीन जन.गण. सरकार की पर्याप्त शेयरधारिता है तथा आगे इस बात पर विचार करते हुए कि वर्तमान मामले में इस्पात एक प्रमुख कच्ची सामग्री की मद है, चीन के प्रतिवादियों के लिए यह सिद्ध करना अपेक्षित है कि इस्पात की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है। इस संबंध में यह सिद्ध किया जाता है कि चीन के प्रतिवादियों ने यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया है कि उसके प्रचालनों में चीन सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है और उन्होंने मात्र एक कथन/दावा किया है कि राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है जिसकी पुष्टि नहीं की गई है। उन्होंने यह सिद्ध नहीं किया है कि राज्य के स्वामित्व के परिणामस्वरूप कंपनी के प्रचालनों में कोई हस्तक्षेप नहीं होता है। इसी प्रकार उन्होंने यह सिद्ध नहीं किया है कि इस्पात के लिए प्रदत्त कीमत में बाजार मूल्य का किस प्रकार प्रदर्शन होता है। उन्होंने इस्पात की अपनी कीमत की तुलना चीन जन.गण. में प्रचलित इस्पात की कीमत के साथ की है। परंतु इस बारे में उनसे किए गए विशिष्ट अनुरोध के बावजूद साक्ष्य के साथ यह प्रदर्शित नहीं किया है कि इस्पात की कीमतें उसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से तुलनीय हैं। इस प्रकार इस बात की जांच करते समय कि क्या चीन की कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं, चीन जन.गण. में प्रचलित निविष्टि की कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि ऐसी कीमतों को स्वीकार किए जाने का तात्पर्य चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करना होगा। इस प्रकार स्पष्ट तौर पर चीन की कंपनियों पर अन्य बातों के साथ-साथ इस अनुमान का खंडन करने का दायित्व है कि उनके द्वारा खरीदी गई निविष्टि की कीमतों में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है जो वर्तमान मामले में नहीं किया गया है।

32. इस प्रकार प्राधिकारी इस बात पर विचार करते हुए चीन के दोनों निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने में असमर्थ हैं कि चीन की दोनों कंपनियों में राज्य की पर्याप्त शेयरधारिता है और इस बात पर विचार करते हुए कि चीन जन.गण. में इस्पात की कीमत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन नहीं होता है, यह सिद्ध नहीं किया जा सकता कि चीन की कंपनियों द्वारा की गई पाण्य वस्तु बिक्री में खासकर प्रमुख निविष्टियों की लागत में पाण्य वस्तु के उचित मूल्य में बजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है।

33. मै. हुबाई ट्राइरिंग ऑटो एक्सल कंपनी लिमिटेड के मामले में यह स्वीकार किया गया है कि जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात एक संबद्ध कंपनी अर्थात् मै. हुबाई ट्राइरिंग मोटर स्टीयरिंग गेयर ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी इस तथ्य को नोट करते हैं कि इस प्रकार की बिक्री जो जांच अवधि की अत्यंत अल्पावधि में की गई थी, से यह पता नहीं चलता है कि प्रश्नावली का उत्तर ऐसी कंपनी को दिए जाने की जरूरत है। निर्धारित प्रश्नावली में स्पष्ट तौर पर उन सभी कंपनियों के लिए प्रश्नावली का उत्तर देने का प्रावधान है

जिन्होंने जांच अधिकारी में भारत को संबद्ध वरस्तु का निर्यात किया है। इस प्रकार इस संबंध में प्रश्नावली का उत्तर त्रुटिपूर्ण है। इसके अलावा, चूंकि प्रश्नावली के उत्तर को दायर करने की जिम्मेवारी निर्यातक पर होती है और चूंकि निर्यातक ने उत्तर ही दायर नहीं किया है, इसलिए यह कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर त्रुटि संबंधी पत्र के लिए विचार करना अपेक्षित हो जिसे प्रत्यक्ष त्रुटि या कमियों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सूचना या सुधार मांगते हुए जारी किया गया है।

34. यह भी नोट किया गया है कि उपर्युक्त निर्दिष्ट चीन के दोनों निर्यातकों के अलावा कंपनियों ने कोई उत्तर दायर नहीं किया है।

35. इसके अलावा, चीन की कंपनियों के सत्यापन दौरे के दौरान यह नोट किया गया था कि निर्यातकों द्वारा उनके घरेलू बाजार में बेचे गए उत्पादों और उनके द्वारा भारत को निर्यातित उत्पादों के बीच अंतर है।

36. उपर्युक्त के मद्देनजर और अन्य बातों के साथ-साथ यह सिद्ध करने के लिए कि निर्विष्ट की कीमत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है, राज्य की पर्याप्त शेयरधारिता, चीन की कंपनियों की अक्षगता जैसे मुद्दों पर विचार करते हुए तथा इस बात पर भी विचार करते हुए कि चीन में इस्पात की कीमतों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनमें बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है, प्राधिकारी का मत यह है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु चीन जन.गण. के उत्पादक-निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने में समर्थ नहीं रहे हैं।

37. चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में विचार करने के बाद प्राधिकारी ने इन उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है जो निर्यातित उत्पादों की सामान्य वस्तुएं हैं।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

38. प्राधिकारी ने नोट किया है कि क्रेता के विर्निदेशनों के अनुसार भारत को दोनों उत्पादों की बिक्री की गई है और यह कि निर्यातकों द्वारा अपने घरेलू बाजार में समान उत्पाद या तीसरे देशों को उनके निर्यात की बिक्री नहीं की गई है। जहां तक किसी ऐसी अन्य वस्तु का संबंध है, जो हर प्रकार से समान नहीं है, किंतु उसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं, का संबंध है, निर्यातकों ने भारत में बेचे गए और उनके घरेलू बाजार में बेचे गए दोनों उत्पादों के बीच कुछेक समानताओं और कुछेक भिन्नताओं का दावा किया है। निर्यातकों ने अपने घरेलू बाजार में बेचे गए समान उत्पादों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उन उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए जो निर्यातित उत्पादों की समान वस्तुएं हैं। निर्यातकों द्वारा अपने घरेलू बाजार में बेचे गए और भारत को निर्यात किए गए उत्पादों में अंतर सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु संगत हैं।

39. इसके अलावा, जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, कि संबद्ध देश के प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में अन्य बातों के साथ-साथ यह सिद्ध करने के लिए कि निविष्टि की कीमत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है, राज्य की पर्याप्त शेयरधारिता, चीन के कंपनियों की अक्षमता जैसे बाजार अर्थव्यवस्था के निर्धारण के पर्याप्त मुद्दे हैं तथा इस बात पर भी विचार करते हुए कि निर्यातक यह सिद्ध करने में समर्थ नहीं रहे हैं कि चीन में इस्पात की कीमत में बाजार मूल्य का प्रदर्शन होता है; यह नोट किया जाता है कि अपने-अपने मामलों में चीन की कंपनियां एन एम ई के अनुमान का खंडन करने में समर्थ नहीं रही हैं। अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नानुसार उपबंध है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वरतु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।

41. प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया था कि आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन गण गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और यूरोपीय संघ को उचित प्रतिनिधि देश पर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में विचार किया जा सकता है। आवेदक ने यूरोप में लागत और कीमत दोनों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था। प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सभी हितबद्ध पार्टीयों से टिप्पणियां आमंत्रित की थीं। तथापि, इस प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे उचित देश के चयन हेतु आवेदक को छोड़कर किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने प्राधिकारी के समक्ष कोई वास्तविक तथ्य प्रस्तुत नहीं किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ ऐ विकरित क्षेत्र है और उचित प्रतिनिधि देश/क्षेत्र के रूप में यूरोपीय संघ पूर विचार किए जाने से अधिक उच्च सामान्य मूल्य का निर्धारण होगा और परिणामतः पाटन मार्जिन में वृद्धि होगी।

42. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के द्वितीय परंतुक के अनुसार उपलब्ध उचित आधार पर चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया। तदनुसार विचाराधीन उत्पादों के कारखाना निर्यात मूल्य का निर्धारण विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है। चूंकि निर्यातकों ने भारत को निर्यातित और घरेलू उद्योग द्वारा बिक्रीत विचाराधीन उत्पाद की विशेषताओं में किसी अंतर की पुष्टि नहीं की है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, चीन के सहयोगी निर्यातक के संबंधित खपत मानकों, परिवर्तन लागत तथा घरेलू उद्योग के एसजीए व्यय तथा 5% के उचित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

43. चूंकि चीन के संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, खपत मानक, परिवर्तन लागत तथा घरेलू उद्योग के एस जी ए व्यय एवं 5% का उचित लाभ मार्जिन लेने के बाद किया गया है।

छ.5. निर्यात कीमत

छ.5.1. घरेलू उद्योग के विचार

44. पाटनरोधी डब्ल्यू टी ओ करार तथा भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की जानी चाहिए। अतः निर्यात कीमत को निम्नलिखित व्यय हेतु समायोजित किया गया है जिसे भारत के संबद्ध वस्तु के निर्यात हेतु निर्यातक द्वारा किया गया होगा (i) समुद्री भाड़ा; (ii) समुद्री बीमा; (iii) पत्तन व्यय एवं हैंडलिंग प्रभार; (iv) अंतरदेशीय भाड़ा; (v) बैंक कमीशन; (vi) वैट में अंतर।

छ.5.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत

45. प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातकों के अनुरोधों के अनुसार प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु निर्यातकों द्वारा किए गए समस्त निर्यातों पर विचार किया है। कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातकों ने अंतरदेशीय भाड़े, पैकिंग व्यय, ऋण लागत, पत्तन हैंडलिंग प्रभार, बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है। दावा किए गए समायोजनों का सत्यापन निर्यातकों की बहियों से किया गया था जिनकी अनुमति दी जा रही है। प्राधिकारी ने पैकिंग, अंतरदेशीय भाड़े, ऋण लागत, पत्तन हैंडलिंग प्रभार एवं बैंक प्रभार हेतु व्यय को घटाने के बाद निर्यात कीमत निर्धारित की है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

46. चूंकि संबद्ध वस्तु के चीन के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है। आंकड़ों का मिलान आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना तथा सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार किया गया है। यह देखा जाता है कि सहयोगी निर्यातकों के अलावा रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़ों से यंत्रीकृत स्वरूप में एफ ए बी के किसी आयात का पता नहीं चलता है।

छ.6 पाटन मार्जिन

छ.6.1 घरेलू उद्योग के विचार

47. पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है अपितु अत्यधिक है, जिससे भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ.6.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

48. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए जांच अवधि के दौरान भारत में सूचित आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

	फ्रंट एक्सल बीम (मै. हुबेर्झ ट्राइरिंग ऑटो एक्सल कं. लि.)		स्टियरिंग नकल्स (मै. हुबेर्झ ट्राइरिंग फोर्जिंग कंपनी लि., चीन जन.गण.)		
	फोर्जर्ड	मशीनीकृत	फोर्जर्ड	मशीनीकृत	भारित औसत (फोर्जर्ड तथा मशीनीकृत)
सामान्य मूल्य	कोई	*****	*****	*****	*****
निर्यात कीमत	आयात नहीं	*****	*****	*****	*****
पाटन मार्जिन		*****	*****	*****	*****
पाटन मार्जिन- %		16% - 21%	42%-47%	17%-22%	22%-27%

ज. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

49. क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों तथा कीमत एवं लाभप्रदत्ता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति की मौजूदगी एवं पाटन और क्षति, यदि कोई हो, के

बीच कारणात्मक संबंध की जांच की जा सके। तदनुसार पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है।

निर्यातकों/आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

आयात मूल्य

50. यह तर्क दिया गया है कि निर्यातकों एवं अशोक लीलैंड द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर नवंबर और दिसंबर, 2008 के दौरान कोई निर्यात नहीं हुआ था। इस प्रकार के किसी तर्क का समर्थन करने के लिए इस कार्रवाई के रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य नहीं है। वस्तुतः नवंबर, 2008 और अप्रैल, 2009 के बीच संबद्ध वस्तु का कोई आयात नहीं हुआ था। यह तर्क दिया गया है कि निर्यातिक के लिए यह दावा करना अविवेकपूर्ण है कि घरेलू उद्योग की बिक्रियां "पाटित आयात न होने की स्थिति में काफी अधिक रही होतीं"।

51. इसके अलावा, अशोक लीलैंड के पूर्ववर्ती अनुरोध के अनुसार अशोक लीलैंड इस समय अपने वाहनों की मांग में भारी गिरावट का सामना कर रहा है। वस्तुतः मांग में कमी की वजह से ही अशोक लीलैंड ने नवंबर, 2008 और अप्रैल, 2009 के बीच संबद्ध पण्य वस्तु के समस्त आयात रोक दिए और इस अवधि के दौरान उत्पादों की घरेलू रूप से प्राप्ति की। इसके अलावा, यूंकि अशोक लीलैंड संबद्ध वस्तु का एकमात्र आयातक है, इसलिए यह देखना मुश्किल है कि आवेदक यह दावा कैसे कर सकता है कि उसे चीन जन.गण. से पाटन के कारण बिक्री में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा।

52. यह तर्क दिया गया है कि चीन जन.गण. से अंतिम आयात परेषण अक्टूबर, 2008 में किया गया था, जिसकी निकासी भारत में नवंबर, 2008 में हुई थी और उसके बाद वर्ष 2008-09 के दौरान कोई आयात नहीं हुआ है। इसी प्रकार अशोक लीलैंड ने भी नवंबर, 2008 से मार्च, 2009 तक घरेलू उत्पादकों से संबद्ध वस्तु की खरीद नहीं की है।

वैश्विक मंदी एवं मांग में परिणामी गिरावट

53. मै. टाटा मोटर्स लि. ने यह तर्क दिया है कि चल रही वैश्विक मंदी और मांग में परिणामी गिरावट के कारण पिछले तीन वर्षों में सबद्ध वस्तु की टी एम एल की कुल खपत में भारी गिरावट आई है। इसी प्रकार संबद्ध वस्तु की खरीद में भी (बी एफ एल तथा अन्य से) जांच अवधि के दौरान तेजी से गिरावट आई। इस प्रकार "पाटित आयातों के अभाव में" संभावित बिक्री के बारे में आवेदक का दावा पूर्णतः आधारहीन है। क्षति, यदि कोई हुई है, वह चीन जन.गण. से आयातों की बजाए मांग में कमी के कारण हुई है। इसके अलावा, बी एफ एल की कीमतें अन्य भारतीय उत्पादकों की कीमतों से प्रतिस्पर्धा नहीं करती हैं।

जांचोत्तर अवधि के आंकड़े

54. यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने अनेक रथानों पर घरेलू उद्योग से संबंधित जांचोत्तर अवधि की बिक्री और उत्पादन के आंकड़ों पर विचार किया है और सामान्यतः जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों पर विचार ही नहीं किया जाता है।

किए गए निर्याताकें के बारे में पूर्ण सूचना का प्रकटन निर्यातकों को नहीं किया गया है

55. आवेदक द्वारा दायर लिखित अनुरोधों पर उत्तर देते हुए यह तर्क दिया गया है कि अशोक लीलैंड चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का एकमात्र आयातक है और किसी अन्य भारतीय वाहन निर्माता ने अपने वाहनों के लिए चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु तैयार नहीं करवाई है। आगे यह तर्क दिया गया है कि आवेदक द्वारा "ए एल द्वारा प्राप्तियों के संबंध में 1.4.07-30.08.09 तक किए गए आयात" शीर्षक से दायर शीट इस बात को छोड़कर प्रेषणों के संबंध में प्रथम सूची की पुनरावृत्ति के अलावा कुछ नहीं है कि सीमाशुल्क से इन मदों की निकासी की वार्तविक तारीखें दी गई हैं। यह तर्क दिया गया है कि मौखिक सुनवाई (प्राप्तियों के बारे में) में प्रदत्त आयात के आंकड़ों की अशोक लीलैंड के रिकॉर्डों के साथ प्रति जांच करने के बाद यह पाया गया है कि आवेदक के आंकड़ों में उल्लिखित अधिकांश प्रेषणों को दो बार गिन लिया गया है।

इस उद्योग में वेंडर विकास की प्रक्रिया

56. आवेदक के इस तर्क कि "उत्पादों के किसी उपभोक्ता द्वारा किसी नए वेंडर को तैयार करने के लिए विचाराधीन उत्पाद से 15-19 माह की यह एक लंबी प्रक्रिया है" ... "और यह कि कोई उपभोक्ता तब तक इतनी व्यापक प्रक्रिया से नहीं गुजरेगा जब तक कि उसके दिमाग में नए स्रोत और वह भी विदेशी स्रोत से उत्पाद की मध्यावधिक से लेकर दीर्घावधिक खरीद की बात न हो" और यह कि "आयातक के मस्तिष्क में वेंडर विकास में पर्याप्त समय और संसाधन खपाने का निर्णय लेने से पूर्व दीर्घावधिक व्यवस्था करने की बात थी" और यह कि "इससे स्वयं यह सिद्ध होता है कि क्षति पाटन से हो रही है और इसकी संभावना है"; का उत्तर देते हुए चीन के प्रतिवादियों ने यह कहते हुए इस दावे का खंडन किया है कि "इस उद्योग में वेंडर विकास" इस उद्योग के लिए नई चीज नहीं है। वस्तुतः जब कभी ग्राहक विनिर्मित निविष्टियां चाहते हैं, कई उद्योगों एवं क्षेत्रों में ऐसा आम तौर पर देखा जाता है।

आयातों का कीमत प्रभाव

57. कीमत में अत्यधिक कटौती के बारे में आवेदक के दावे का हवाला देते हुए यह तर्क दिया गया है कि आवेदक ने इस तथ्य की अनदेखी की है कि उसने री आई एफ कीमत + सीमाशुल्क के रूप में प्रदत्त राशि के रूप में संबद्ध पर्य वस्तु हेतु सामान्य मूल्य की गणना की है। अतः आवेदक की पहुंच मूल्य की गणना में 10% हैंडलिंग प्रभार छूट जाता है जिसे निर्धारणीय मूल्य (जिस पर सीमाशुल्क वसूला जाता है) में शामिल किया जाता है। तदनुसार अनुबंध- 4.2 में उल्लिखित आवेदक के पहुंच मूल्य के आंकड़ों में निम्नानुसार संशोधन किया जाना चाहिए।

अनुबंध 4.2 के लिए जांच अवधि हेतु संबंधित आंकड़े	स्टियरिंग नकल्स		फ्रंट एक्सल बीम	
	फोर्ड	मशीनीकृत	फोर्ड	मशीनीकृत
सीआईएफ कीमत	93.00	139.90	100.64	98.09
1% पहुंच प्रभार	0.93	1.39	1.00	0.9809
निर्धारणीय मूल्य	93.93	141.29	101.64	99.07
सीमा शुल्क (7.5%)	7.04	10.59	7.62	7.43
पहुंच मूल्य	100.97	151.88	109.26	106.5

क्षमता एवं क्षमता उपयोग का विश्लेषण गलत है

58. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने संबंधित उत्पादों के लिए क्षमता एवं क्षमता उपयोग का पृथक उल्लेख नहीं किया है और यह कि उन्हें एफ ए बी तथा स्टियरिंग नकल्स के अलग-अलग ब्यौरे देने चाहिए थे। इसके विपरीत उन्होंने अनेक उत्पादों के एक साथ क्षमता एवं क्षमता उपयोग के ब्यौरे दिए हैं।

वास्तविक क्षति का खतरा

59. यह तर्क दिया गया है कि विदेश में किसी वेंडर के विकास जैसे सामान्य एवं विधिसम्मत कारोबारी व्यवहार को घरेलू उद्योग को "खतरे" के रूप में नहीं माना जा सकता। इसके अलावा, अशोक लीलैंड की आयातक प्रश्नावली के उत्तर की समीक्षा से यह सुस्पष्ट हो जाता है कि अशोक लीलैंड जांच अवधि से पूर्व और उसके दौरान बीएफएल तथा अन्य घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से संबद्ध वरस्तु की अपनी अपेक्षाओं के एक बड़े भाग की प्राप्ति कर रहा था। अंततः अशोक लीलैंड ने नवंबर, 2008-अप्रैल, 2009 के बीच संबद्ध वरस्तु का आयात बंद कर दिया।

60. इसके अलावा, यद्यपि, आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन के उत्पादकों से संबंधित वैबसाइट में "यह प्रदर्शित किया गया है कि चीन जन.गण. के उत्पादकों द्वारा सुजित क्षमताएं उनकी घरेलू मांग से काफी अधिक हैं" तथापि, आवेदक रिकॉर्ड हेतु इसका कोई साक्ष्य उपलब्ध कराने में विफल रहा है।

कारणात्मक संबंध

61. यह तर्क दिया गया है कि जापान से अमरीका-एच आर स्टील मामले में अपीलीय निकाय की रिपोर्ट के अनुसार प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जब अन्य कारकों से हुई क्षति का निष्कर्ष निकलता हो तो शेष क्षति (पाटित आयातों के कारण) भी वास्तविक क्षति के समान स्तर पर होगी। इस मामले में क्षति के "अन्य" कारकों पर विचार करते समय

प्राधिकारी को उस सीमा तक विचार करना चाहिए जिस सीमा तक इस "अन्य कारक" (अर्थात् मंदी के कारण मांग में आई गिरावट) द्वारा हुई क्षति की वजह से पाटित आयातों एवं हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि कम होती हो ।

62. यह तर्क दिया गया है कि मंदी का घरेलू उद्योग पर प्रभाव पड़ा है और प्राधिकारी को घरेलू मांग में गिरावट और घरेलू उद्योग पर उसके परिणामी प्रभाव पर विचार करना चाहिए ।

परिवर्तन दरों में अंतर

63. यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से ऑटोमोबाइल उद्योग को भारी नुकसान होगा अतः इस पर वर्तमान भा. रु. - अम. डॉ. परिवर्तन दर के मद्देनजर विचार करना चाहिए । जांच अवधि के दौरान परिवर्तन दर 1 अम.डॉ. = 42.26 भा. रु. थी और अब यह 1 अम.डॉ. = 48.00 भा. रु. के आस-पास चल रही है । इससे ही आयात की लागत में लगभग 12% से 15% की वृद्धि हुई है ।

ज. 1 प्राधिकारी द्वारा जांच

मात्रात्मक प्रभाव

(क) मांग का निर्धारण

64. कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि मांग का वार्षिकीकरण इस वजह से सही नहीं है कि निर्यात/आयात जांच अवधि के बाद नहीं हुआ है । तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वार्षिकीकृत आंकड़ों का उपयोग जांच अवधि के आंकड़ों की तुलना पूर्ववर्ती आंकड़ों के साथ करने के प्रयोजनार्थ किया गया है । तथापि, इन वार्षिकीकृत आंकड़ों को अपनाए जाने का तात्पर्य जांचोत्तर अवधि के आंकड़ों को उसमें शामिल करने/उन पर विचार करने से नहीं है और इस प्रकार का वार्षिकीकरण केवल जांच अवधि से संबंधित है ।

65. इन हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि मांग में कमी के कारणों का उचित मूल्यांकन नहीं किया गया है और प्राधिकारी से मांग में कमी के कारणों की जांच तथ्यपरक ढंग से और निष्पक्ष रूप से करने का अनुरोध किया है । इस संदर्भ में यह नोट किया जाता है कि उत्पादों की मांग में भारी गिरावट देखी गई है । अतः आवेदक से यह कहा गया था कि वह मांग में गिरावट के कारण बताएं और यह भी बताएं कि मांग में आई इस गिरावट पर क्षति के कारण के रूप में क्यों नहीं विचार किया जाना चाहिए । इस बात पर विचार करते हुए कि विचाराधीन उत्पाद की खपत मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में की जाती है, देश में मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन से संबंधित सूचना भी एकत्र की गई थी । एस आई ए एम, सोसाइटी ऑफ इंडियान ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स ने अपनी वैबसाइट में देश में वाहनों के उत्पादन के बारे में सूचना डाली है । यह नोट किया जाता है कि वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में गिरावट दर्शायी गई है । अतः उत्पादों की मांग में गिरावट

देश में मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में गिरावट के कारण आई प्रतीत होती है।

66. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री भाष्ट्रा को रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार भारत में हुए कुल आयातों में जोड़ा है जिसका संक्षेप में उल्लेख निम्नानुसार है :-

मांग

फ्रंट एक्सल बीम	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.			221	1,677	3,354
आवेदक की बिक्री	मी.ट.	10,123	16,572	17,016	5,124	10248
मांग (सूचीबद्ध)	मी.ट.	10,123	16,572	17,237	6,801	13,602
सूचीबद्ध		100	164	170	134	134

स्टियरिंग नकल्स	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.			462	492	984
आवेदक की बिक्री	मी.ट.	2,023	3,112	2,998	918	1836
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	3,700	4,000	4,065	1,406	2,812
मांग	मी.ट.	5,723	7,112	7,525	2,816	5,632
सूचीबद्ध		100	124	131	98	98

67. जैसा कि उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में गिरावट प्रदर्शित हुई है और यह गिरावट स्पष्ट तौर पर वाणिज्यिक वाहन के उत्पादन में गिरावट के कारण आई है।

68. ऐसी स्थिति में जब विचाराधीन उत्पाद की मांग में गिरावट आई है तो प्राधिकारी के लिए यह निर्धारित करना अपेक्षित होता है कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण या विचाराधीन उत्पादों की मांग में कमी के कारण हुई है। इसकी पुष्टि देश में संबद्ध उत्पादों की मांग में विभिन्न पार्टियों के बाजार हिस्से पर विचार करते हुए की जा सकती है। भारती उत्पादकों का बाजार हिस्सा नीचे दिया गया है :-

बाजार हिस्सा %	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं.08 (जांच अवधि)	अक्टू-दिसं.-08
फ्रंट एक्सल बीम					
चीन जन.गण.	-	-	1.29	24.66	61.80
घरेलू उद्योग	100	100	98.71	75.34	38.20
स्टीयरिंग नकल्स					
चीन जन.गण.	-	-	6.14	17.47	98.95
घरेलू उद्योग	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
अन्य भारतीय	64.65	56.24	54.02	49.93	0
उत्पादक					

69. उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अक्टू. -दिसं., 2008 में उसके बाजार हिस्से में आगे और गिरावट आई है। इस प्रकार उपलब्ध मांग के भीतर घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा गंवाया है जिससे यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट पाठन और मांग में गिरावट के कारण आई है। यह भी सिद्ध होता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की घटती हुई मांग की समस्या का पहले से सामना कर रहा था, तथापि उसमें पाठित आयातों द्वारा कई गुना वृद्धि हुई है।

(ख) आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

70. जहां तक आयात मात्रा के मुद्दे का संबंध है, प्रतिवादियों ने प्राधिकारी द्वारा भरोसा की गई आयात की मात्रा का इस आधार पर खंडन किया है कि वे एकमात्र निर्यातक हैं और इस प्रकार निर्यात की मात्रा प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई आयात की मात्रा से अलग नहीं हो सकती। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) दोनों आंकड़ों का इस वजह से मेल खाना जरूरी नहीं है कि यद्यपि, भारत में आवक के आधार पर भारत में हुए आयातों को क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया है; तथापि निर्यातक ने उनके द्वारा तैयार किए गए बीजक के आधार पर (अर्थात् बीजक की तारीख) सूचना प्रदान की है। चूंकि चीन जन.गण. में वरस्तु का बीजक तैयार करने की तारीख और भारतीय पत्तन पर वरस्तु की निकासी के बीच भारी समयावृत्तराल है, इसलिए दोनों आंकड़ों का मिलान करना जरूरी नहीं है ; (ख) इसके अलावा, यह कहना सही नहीं हो सकता कि चीन के प्रतिवादी भारत को विचाराधीन उत्पादों के एकमात्र निर्यातक हैं और इसी प्रकार आयातक भी भारत में उत्पादों के एकमात्र आयातक नहीं हो सकते। उपर्युक्त के होते हुए भी प्राधिकारी राह नोट करते हैं कि उल्लिखित अंतर काफी अधिक नहीं है।

71. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में यह उपबंध है कि पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

(i) पूर्ववर्ती वर्ष की तदनुरूपी अवधि के साथ त्रैमासिक तुलना से यह पता चलता है कि जहां तक स्टियरिंग नकल्स का संबंध है, अप्रैल-जून, 08 की अवधि में गिरावट को छोड़कर आयातों में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है । प्राधिकारी ने आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर आयातों की मात्रा निर्धारित की है जो निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है :-

इकाई मी.ट. में	फ्रेट एक्सल बीम	स्टियरिंग नकल्स
अप्रैल.-जून 07	-	-
जुलाई-सितं.07	-	10
अक्टू.-दिसं., 07	14	112
जन.-मार्च 08	207	340
अप्रैल.-मार्च 08	685	154
जुलाई-सित.08	913	300

72. यह देखा जाता है कि संबद्ध वर्स्तु का भारी मात्रा में आयात वर्ष 2007-08 में शुरू हुआ और उसमें अपेक्षाकृत अत्यावधिक में वृद्धि हुई ।

(ii) आयातों में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि हुई है ।

	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अप्रैल-सित..08 (वार्षिकीकृत)
उत्पादन की तुलना में आयातों में वृद्धि (%)					
एक्सल बीम	-	-	1.30	32.98	31.43
स्टियरिंग नकल्स	-	-	15.44	55.58	55.58
खपत की तुलना में आयातों में वृद्धि (%)					
एक्सल बीम	-	-	1.29	24.66	23.78
स्टियरिंग नकल्स	-	-	6.14	17.47	17.47

(iii) यद्यपि संबद्ध देश के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है, तथापि भारतीय उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है । यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पादों के प्रमुख उपभोक्ताओं/आयातकों के अलावा ऐसे कई अन्य उपभोक्ता हैं, जो भारतीय बाजार से अपनी जरूरत को पूरा कर रहे हैं । चूंकि अन्य उपभोक्ताओं ने अभी तक जाहिर तौर पर विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है, इसलिए घरेलू उद्योग पर पाटन के वास्तविक प्रभाव का प्रदर्शन केवल सीमित उपभोक्ताओं द्वारा किए गए आयातों द्वारा प्राप्त हिस्से के संबंध में किया गया है ।

मांग में बाजार हिस्सा-%	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
फ्रंट एक्सल वीम				
चीन जन.गण. से आयात	-	-	1.29	24.66
घरेलू उद्योग	100.00	100.00	98.71	75.34
अन्य भारतीय उत्पादक	-	-		
स्टियरिंग नकल्स				
चीन जन.गण. से आयात	-	-	6.14	17.47
घरेलू उद्योग	35.35	43.76	39.84	32.60
अन्य भारतीय उत्पादक	64.65	56.24	54.02	49.93

कीमत प्रभाव

73. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वरस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। यह देखा गया है कि संबद्ध वरस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे अत्यधिक कीमत कटौती हुई है। स्थिति निम्नानुसार है :-

कीमत प्रभाव

		2007-08	जांच अवधि
फ्रंट एक्सल वीम	इकाई	मशीनीकृत	मशीनीकृत
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	82.01	110.16
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***
प्रवृत्ति		100	67
कीमत कटौती	%	***	***
कीमत कटौती	रेंज	25-30%	15-20%

		2007-08				जांच अवधि	
स्टियरिंग नकल्स	इकाई	फोर्ज्ड	मशीनीकृत	कुल	फोर्ज्ड	मशीनीकृत	कुल
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	72.04	130.83	72.06	88.75	159.21	138.73
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	100	100	118	33	77
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज			20-50%			10-15%

74. यह देखा गया है कि संबद्ध वर्स्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग द्वारा इन उत्पादों की बिक्री कीमत से काफी कम है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि आयातित उत्पाद की कीमत और घरेलू उद्योग की कीमत के बीच अत्यधिक कीमत अंतर होने के परिणामस्वरूप कुछेक उपभोक्ताओं ने आयातित उत्पाद की ओर रुख किया है। आवेदक ने दावा किया है कि चीन के उत्पादक स्पष्ट तौर पर कई अन्य कारकों अर्थात् अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से अत्यधिक कम कीमत पर उन्हें इस्पात उपलब्ध कराने के लिए चीन जन.गण. सरकार द्वारा सहायता, सस्ती विद्युत के रूप में भारी सब्सिडी आदि के कारण इन कीमतों पर बिक्री करने में सक्षम है। उन्होंने यह बताया है कि इन कारकों को छोड़कर वर्तमान कीमत पर बिक्री करने में चीन के उत्पादकों को समर्थ बनाने वाला कोई अन्य कारण नहीं है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों की जांच

75. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध उत्पादों के पाटन का न तो केई पूर्ववृत्त रहा है और न ही वर्ष 2007-08 तक की वर्तमान क्षति अवधि के दौरान उनका पर्याप्त आयात हुआ है। वर्स्तुतः अत्यधिक आयात जांच अवधि के दौरान ही सूचित किए गए हैं अतः यद्यपि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के लिए सूचना प्रस्तुत की है, तथापि आवेदक ने यह दावा किया है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना तत्काल पूर्ववर्ती अवधि के साथ की जानी चाहिए ताकि यह जांच की जा सके कि क्या संबद्ध देश से पाटन के कारण उसमें गिरावट आई है। यह देखा जाएगा कि संगत अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में भारी गिरावट आई है।

76. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है:-

(क) बिक्री मात्रा

	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	आंकड़े मी.ट. में अक्टू- दिसं.,08 (जांचोत्तर अवधि)
फ्रंट एक्सल बीम	10,123	16,572	17,016	5,124	353
स्टीयरिंग नकल्स	2,023	3,112	2,998	918	3

77. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वर्स्तु की बिक्री में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आई है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2008-09 (अक्टू.-दिसं.,08) की तीसरी तिमाही में हुई बिक्रियों में जांच अवधि की तुलना में तेजी से गिरावट प्रदर्शित हुई है।

78. मांग से संबंधित पैरा में पूर्व में किए गए उल्लेख के अनुसार घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में दो कारणों-चीन जन.गण. से पाटन और मांग में कमी के कारण गिरावट आई है। मांग में गिरावट से बिक्री मात्रा भी कम हुई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि यदि पाटित आयात न हुए होते तो घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा उसी अनुपात में अधिक रही होती।

आंकड़े मी.ट. में

बिक्री मात्रा	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अप्रैल-सितं.08 (वार्षिक)
भारतीय उद्योग की बिक्री					
फ्रंट एक्सल बीम	10,123	16,572	17,016	5,124	10,247
स्टीयरिंग नकल्स	2,023	3,112	2,998	918	1,836

(ख) क्षमता तथा क्षमता उपयोग

विवरण	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अप्रैल-सितं.08 (वार्षिक)
संयंत्र क्षमता-मी.ट.	200,000	240,000	240,000	120,000	240,000
संयंत्र उत्पादन- मी.ट.	136,790	165,239	191,738	94,662	189,324
संयंत्र उपयोग-%	68.40	68.85	79.89	78.89	78.89

79. चूंकि आवेदक एक ही संयंत्र में कई उत्पादों का उत्पादन करता है, इसलिए क्षमता उपयोग पर पाटन के प्रभाव की जांच अन्य उत्पादों के उत्पादन को शामिल करने के बाद की गई है। यह नोट किया गया है कि संयंत्र के उपयोग में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई है और तत्पश्चात जांच अवधि में मामूली गिरावट आई है।

(ग) घरेलू बाजार के लिए उत्पादन

आंकड़े मी.ट. में

	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	जांचोत्तर अवधि
फ्रंट एक्सल बीम	10,073	16,572	17,034	5,085	337
स्टीयरिंग नकल्स	2,023	3,115	2,995	885	3

80. यह देखा जाता है कि फ्रंट एक्सल बीम के उत्पादन में वर्ष 2007-08 तक और स्टीयरिंग नकल्स के उत्पादन में 2006-07 तक सुधार प्रदर्शित हुआ था। तथापि, दोनों उत्पादों के संबंध में जांच अवधि में उत्पादन में गिरावट प्रदर्शित होती है। उत्पादों का निर्माण चॉर्डर के अनुसार शर्त पर किया जाता है, 2008-09 की तीसरी तिमाही में बिक्री में आई तीव्र गिरावट के अनुरूप जांचोत्तर अवधि में और अधिक गिरावट देखी गई है।

(घ) बाजार हिस्सा

बाजार हिस्सा %	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं.08 (जांच अवधि)	अक्टू-दिसं.-08 (जांचोत्तर अवधि)
फ्रंट एक्सल बीम					
संबद्ध आयात	-	-	1.29	24.66	61.80
घरेलू उद्योग	100.00	100.00	98.71	75.34	38.20

अन्य भारतीय उत्पादक	-	-	-	-	-
स्टीयरिंग नकल्स					
संबद्ध आयात	-	-	6.14	17.47	98.95
घरेलू उद्योग	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
अन्य भारतीय उत्पादक	64.65	56.24	54.02	49.93	0

81. जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट पाटन के कारण आई है। यद्यपि घरेलू उद्योग के पास अप्रयुक्त उत्पादन क्षमताएं रही हैं। उपर्युक्त तालिका से अल्पावधि में चीन जन.गण. से हुए आयातों द्वारा कब्जे में लिए गए अत्यधिक बाजार हिस्से का पता चलता है। इसके अलावा, अक्टू-दिसं., 08 की अवधि (जांचोत्तर अवधि) में इन आयातों ने एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। आयात की मात्रा में अल्पावधि में भारी वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग ने अत्यधिक बाजार हिस्सा गंवाया है। घरेलू उद्योग के दावे के अनुसार भावी स्थिति धुंधली प्रतीत होती है और इन उत्पादों पर अपनी क्षमता को बरकरार रखना घरेलू उद्योग के लिए कठिन होगा।

उ लाभ/हानि

82. कुछेक हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि इन कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति सकारात्मक बनी रही है। यद्यपि वैश्विक मंदी के कारण समूची आटोमोटिव उद्योग बंद कर दिया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य से यह पता नहीं चलता है कि वैश्विक मंदी के कारण समूचा ऑटोमोटिव उद्योग बंद कर दिया गया था। इसके अलावा, पाटनरोधी नियमावली में यह निर्धारित नहीं है कि यह निष्कर्ष निकालने के लिए घरेलू उद्योग को घाटा होना चाहिए था, निवेश पर आय ऋणात्मक होनी चाहिए तथा ऋणात्मक नकद लाभ होना चाहिए कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। पाटनरोधी नियमावली में प्राधिकारी से मात्र यह अपेक्षा की गई है कि वह इस बात का निर्धारण करें कि क्या इस वजह से घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है।

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पादों के संबंध में कर पूर्व लाभ निम्नानुसार रहा है :-

मिलियन रुपए	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अप्रैल-सितं. 08 (वार्षिकीकृत)
फ्रंट एक्सल बीम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	172	194	60	60
स्टीयरिंग नकल्स	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	176	214	57	57

84. यह देखा जाता है कि बिक्री मात्रा में गिरावट और उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में परिणामी गिरावट से लाभ में भारी गिरावट आई है। जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जाता है। आवेदक ने दावा किया है कि यद्यपि वे निविष्ट लागत में परिवर्तन के परिणामस्वरूप आवश्यक कीमत परिवर्तन हासिल करने में समर्थ रहे हैं तथापि गंवाई गई मात्रा

से घरेलू उद्योग के लाभ में भारी कमी आई है। आवेदक ने दावा किया है कि बिक्री मात्रा में गिरावट के कारण उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है। आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा बाजार हिस्सा निरंतर गंवाए जाने की स्थिति में घाटे का सामना किया जाएगा।

च. निवेश पर आय

85. दोनों संबद्ध वस्तुओं के बारे में निवेश पर आय में गिरावट आई है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

निवेश पर आय - % (एनएफए आधार पर)	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
फ्रेट एक्सल बीम	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	89	132	52
स्टीयरिंग नकल्स	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	93	144	55

छ) नकद लाभ

86. निम्नलिखित तालिका से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान दोनों संबद्ध वस्तुओं के नकद लाभ में भारी गिरावट आई है।

नकद लाभ (मिलियन रु. में)	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	अप्रैल-सितं. 08 (वार्षिकीकृत)
फ्रेट एक्सल बीम	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	169	200	87	87
स्टीयरिंग नकल्स	****	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	168	210	101	101

ज) मालसूची

87. विचाराधीन उत्पाद निर्देशानुसार निर्मित मद्दें हैं। आवेदक संबद्ध वस्तु का उत्पादन तभी करता है जब उसे ग्राहकों से ऑर्डर मिलते हैं। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति के आकलन हेतु मालसूची उचित मापदंड नहीं हो सकता है।

झ) रोजगार

रोजगार	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
कर्मचारियों की सं.	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	100	102	103

88. यह देखा जाता है कि चूंकि आवेदक एक बहु उत्पाद कंपनी है जिसका अत्यधिक घरेलू एवं निर्यात बाजार है और चूंकि संबद्ध वस्तु के आयात हाल ही में शुरू हुए हों, इसलिए रोजगार पर अब तक प्रभाव नहीं पड़ा है।

(ज.) मजदूरी

मजदूरी - रु.प्रति किम्बा.	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
फ्रंट एक्सल बीम	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	94	120	191
स्टीयरिंग नकल्स	****	****	****	****
सूचीबद्ध	100	94	139	253

89. यह देखा जाता है कि वर्ष 2006-07 में संबद्ध सस्तु के उत्पादन की प्रति किम्बा मजदूरी लागत में गिरावट आई और उसके बाद वृद्धि हुई।

(ट) उत्पादकता

प्रति दिवस उत्पादकता	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
फ्रंट एक्सल बीम	94	112	118	96
स्टीयरिंग नकल्स	29	29	23	20

90. यह देखा जा सकता है कि उत्पादन में गिरावट के अनुरूप उत्पादकता में कमी आई है।

(ठ) पाटन मार्जिन की मात्रा

91. यह देखा गया है कि संबद्ध सस्तु के चीन से हुए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है।

(ड) पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है और उसे नया निवेश जुटाने में कठिनाई नहीं हो सकती। तथापि, उत्पाद के प्रतिकूल निष्पादन से भविष्य में नया निवेश जुटाने की क्षमता में बाधा आ सकती है।

(ढ) वृद्धि

93. मात्रा एवं कीमत संबंधी दोनों मापदंडों के संबंध में फ्रंट एक्सल बीम तथा स्टीयरिंग नकल्स, दोनों के बारे में वृद्धि ऋणात्मक रही है। उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, बिक्री मूल्य, लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय सभी में ऋणात्मक प्रवृत्ति देखी गई है।

वास्तविक क्षति का खतरा

94. प्राधिकारी ने आवेदक के वास्तविक क्षति के खतरे के दावे की निम्नानुसार जांच की है:

- अपेक्षाकृत अल्पावधि में आयातों में तेजी से अत्यधिक वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है और यह वृद्धि संबद्ध वस्तु के आयातों के तुलनात्मक बाजार हिस्से की दृष्टि से हुई है।

	2007-08	2008-09 तिल	2008-09 तिल	2008-09 तिल
आयात मात्रा-मी.ट.				
फ्रंट एक्सल बीम	221	685	913	571
स्टीयरिंग नकल्स	462	200	292	310
आयातों का बाजार हिस्सा (%)				
फ्रंट एक्सल बीम	1.29	17.83	31.73	61.80
स्टीयरिंग नकल्स	6.14	11.66	26.56	98.95

- कीमत कटौती काफी अधिक है। संबद्ध वस्तु के आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं जिससे आगे और आयात होने की संभावना है।

रु./किग्रा.

फ्रंट एक्सल बीम	मशीनीकृत
पहुंच कीमत	110.16
निवल विक्री कीमत	****
कीमत कटौती	****
कीमत कटौती %	12-17

रु./किग्रा.

फ्रंट एक्सल बीम	फोर्ज्ड	मशीनीकृत	कुल
पहुंच कीमत	88.75	159.21	138.73
निवल विक्री कीमत	****	****	****
कीमत कटौती	****	****	****
कीमत कटौती %	20-25	6-12	10-15

- घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि चीन के उत्पादकों की वैबसाइट पर उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि चीन जन.गण. में उत्पादकों द्वारा सृजित क्षमताएं

उनकी घरेलू मांग से अधिक हैं। अतः चीन जन.गण. से देश में हो रहे पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि होने की संभावना है।

- यह देखा जाता है कि अत्यावधि में ही संबद्ध वस्तु का घरेलू बजार हिस्सा संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों ने ले लिया है और इस प्रकार के हिस्से में वृद्धि हो रही है।

झ. कारणात्मक संबंध

95. इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। निम्नानुसार पाया गया था :

- (क) तीसरे देशों से आयात :- संबद्ध वस्तु का तीसरे देशों से आयात नहीं किया जा रहा है।
- (ख) मांग में कमी :- यह नोट किया जाता है कि उत्पादों की मांग में पर्याप्त गिरावट देखी गई है। अतः आवेदक से कहा गया है कि वह मांग में कमी के कारणों और इस बात को भी बताएं कि मांग में इस गिरावट पर क्षति के कारक के रूप में विचार क्यों नहीं किया जाना चाहिए। इस बात पर विचार करते हुए कि विचाराधीन उत्पादों की खपत मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में की जाती है, देश में मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन से संबंधित सूचना भी एकत्र की गई थी। एसआईएएम, सोसायटी ऑफ इंडियन आटो मोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स द्वारा देश में वाहनों के उत्पादन से संबंधित सूचना अपनी वैबसाइट पर रखी जाती है। यह नोट किया गया है कि वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में गिरावट आई है। अतः उत्पादों की मांग में गिरावट देश में मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में आई गिरावट के कारण प्रतीत होती है।

तथापि, घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव की पुष्टि देश में उत्पादों की मांग में विभिन्न पार्टियों के बाजार हिस्से पर विचार करने के बाद की जा सकती है। विभिन्न उत्पादकों का बाजार हिस्सा निम्नानुसार है :-

बाजार हिस्सा %	2005-06	2006-07	2007-08	अप्रैल-सितं. 08 (जांच अवधि)	अक्टू- दिसं. 08
फ्रंट एक्सल बीम					
चीन जन.गण.	-	-	1.29	24.66	61.80
घरेलू उद्योग	100	100	98.71	75.34	38.20
स्टीयरिंग नकल्स					
चीन जन.गण.	-	-	6.14	17.47	98.95
घरेलू उद्योग	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
अन्य भारतीय उत्पादक	64.65	56.24	54.02	49.93	0

उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से अक्टू.दिसं., 2008 (जांचोत्तर) की अवधि में बाजार हिस्से में आगे और गिरावट प्रदर्शित होती है। यह नोट किया जाता है कि उपलब्ध मांग के भीतर घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा गंवाया है। घरेलू उद्योग पहले से ही मांग में गिरावट की समस्या का सामना कर रहा था, तथापि, उसमें पाठित आयातों द्वारा भारी इजाफा हुआ है।

- (ग) खपत की पद्धति में परिवर्तन :- विचाराधीन उत्पादों के बारे में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। खपत की पद्धति में परिवर्तन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।
- (घ) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा:- ऐसा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नोट नहीं किया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।
- (ङ) प्रौद्योगिकी विकास- आवेदक ने दावा किया है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।
- (च) निर्यात निष्पादन- घरेलू उद्योग ने घरेलू एवं निर्यात बाजार में अलग-अलग आधार पर कीमत तथा लाभप्रदता का ब्यौरा उपलब्ध कराया है। अतः क्षति संबंधी विश्लेषण निर्यात निष्पादन से प्रभावित नहीं होता है।

96. निम्नलिखित मापदंडों से कारणात्मक संबंध का पता चलता है :-

- (1) यह देखा जाता है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का आयात पूर्व में नहीं हुए थे। तथापि, चीन जन.गण. से हुए इन आयातों ने अत्यधिक बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार जिससे में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में यह गिरावट भारतीय बाजार में उत्पादों के पाठन के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप प्रतीत होती है। आवेदक ने दावा किया है कि बाजार हिस्से में यह गिरावट केवल इस तथ्य के बावजूद आई है कि एक ग्राहक ने अब तक चीन जन.गण. से खरीद शुरू की है।
- (2) घरेलू उद्योग ने बिक्री मात्रा गंवाई है। परिणामतः उनके लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ में भारी गिरावट आई है।

क्षति संबंधी अन्य मापदंड

97. चूंकि आवेदक एक बहु उत्पाद कंपनी है, जिसके पास पर्याप्त घरेलू एवं निर्यात बाजार है और चूंकि पाटन हाल ही में शुरू हुआ है, इसलिए रोजगार एवं मजदूरी पर अब तक प्रभाव नहीं पड़ा है। तथापि, उत्पादन में गिरावट के अनुरूप उत्पादकता कम हुई है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अर्थ के भीतर यह घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे का मामला बनता है।

98. क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से हुए निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। इस प्रकार तुलना किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार बनता है :-

सहयोगी निर्यातक

विवरण	फ्रेट एक्सल बीम	स्टीयरिंग नकल्स	अम.डॉ. प्रति किग्रा.	
	मशीनीकृत	फोर्ज्ड	मशीनीकृत	फोर्ज्ड
एनआईपी	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन%	***	***	***	***
रेंज	10-15	22-27	11-16	15-20

अवशिष्ट

विवरण	फ्रेट एक्सल बीम	स्टीयरिंग नकल्स	अम.डॉ. प्रति किग्रा.	
	मशीनीकृत	फोर्ज्ड	मशीनीकृत	फोर्ज्ड
एनआईपी	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***	***	***
रेंज	25-30	38-43	42-47	40-45

ज. निष्कर्षः

99. हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने; और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

(क.) चीन जन.गण. से भारत को विचाराधीन उत्पादों का निर्यात उनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;

(ख.) घरेलू उद्योग को विचाराधीन दोनों उत्पादों में वास्तविक क्षति हुई है। इसके अलावा, वास्तविक क्षति का खतरा भी बना हुआ है।

(ग.) वास्तविक क्षति और वास्तविक क्षति का खतरा चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों के कारण हुआ है।

ट. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

101. यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्क राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकेंगे। अनुषंगी उद्योग पर प्रभाव को कम करने

की दृष्टि से प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के आधार पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित समझा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ठ. सिफारिशें

102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे जांच शुरू करने के बाद तथा संबद्ध देश के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वार्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वार्तविक क्षति और उसके खतरे की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र और तरीके से निम्नानुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

103. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं	शीर्ष / उपशीर्ष	वस्तु विवरण	उदाम का देश	नियाति का देश	उत्पादक	नियाति	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के फँट एक्सल बीम	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	हुबई ट्राइ-रिंग ऑटो एक्सल क. लि.	हुबई ट्राइ-रिंग ऑटो एक्सल क. लि.	0.35	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
2	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के फँट एक्सल बीम	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपरोक्त क्र.सं. 1 से इतर अन्य कोई	उपरोक्त क्र.सं. 1 से इतर अन्य कोई	0.63	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
3	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के फँट एक्सल बीम	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	0.63	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
4	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के फँट एक्सल बीम	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.63	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
5	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के स्टीयरिंग नकल्स	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	हुबई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग क. लि.	हुबई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग क. लि.	0.64	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
6	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के स्टीयरिंग नकल्स	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपरोक्त क्र.सं. 5 से इतर अन्य कोई	उपरोक्त क्र.सं. 5 से इतर अन्य कोई	1.11	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
7	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के स्टीयरिंग नकल्स	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	1.11	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.
8	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के स्टीयरिंग नकल्स	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	1.11	प्रति किंव्रा.	अम. डॉ.

104. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3,3क, 8ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

105. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th March, 2010

Final Findings

Sub : Anti-Dumping investigation concerning imports of 'Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles' originating in or exported from China PR.

No. 14/19/2008-DGAD.—Whereas the Designated authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of Anti Dumping duty on the imports of 'Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles' (hereinafter also referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country).

B. BACKGROUND OF THE CASE

2. The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority), under the AD Rules, received a written application from M/s Bharat Forge Ltd., Pune on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 'Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles' (hereinafter also referred to as the subject goods); originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country).

3. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry issued a public notice dated 8th December, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of 'Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles' originating in or exported from China PR, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. The Designated Authority, having regard to the Act and the AD Rules; recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of the subject goods originating in or exported from the subject country falling under Sub-heading as per table below:

Product	Customs Classification
Front Axle Beam	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
Steering Knuckle	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

5. The preliminary findings were published vide Notification No 14/19/2008-DGAD dated 24th April 2009 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs notification No. 65/2009-Customs dated 15th June 2009.

C. PROCEDURE

6. In these proceedings the procedure described below has been followed:
- (i) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 5(5) of the AD Rules.
 - (ii) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 8th December 2008 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter, application and questionnaires sent to the exporters were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known exporters/producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaires within the prescribed time.
 - (iii) Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.
 - (iv) Questionnaires were sent to the following known exporters from the subject country in accordance with the Rule 6(4) of the AD Rules to elicit relevant information:
 1. Hubei Tri-Ring Forging Co., 34 Chengguanzhenhou Road, Gucheng County, Hubei Province, China.
 2. Hubei Tri-Ring Forging Co, No. 8 Zhuyang Road, Gucheng County, Xiangfan, Hubei Province, China.
 3. Hubei Tri-Ring Motor steering, 175 Young An Avenue, Xianning, Hubei China.

In response to the above notification, following exporters/producers have responded.

1. Hubei Tri-ring Auto-Axle Co., Ltd., No.34, Hou Street, Chengguan town, Gucheng City, Hubei Province, China PR

2. Hubei Tri-Ring Forging Co., Ltd., No 8. Zhuyang Road, Chengguan, Gucheng country, Hubei province, China PR
- (v) Questionnaire was sent to the following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
1. M/s Ashok Leyland Ltd.
 2. M/s Tata Motors
 3. M/s Asia Motor Works Ltd.
 4. M/s Eicher Motors
 5. M/s Force Motors
 6. M/s Tata Cumins
 7. M/s Mahindra & Mahindra
 8. M/s Automotive axles Ltd.
 9. M/s Cummins India
 10. M/s Amtek Auto Limited
 11. M/s Amtek Auto Ltd
 12. M/s Harig Crankshaft
 13. M/s Tata Motors Ltd.
 14. M/s Mahindra Forgings Ltd.
 15. Society of Indian Automobile Manufacturers

In response thereof, following have responded:

1. M/s Ashok Leyland Ltd.
 2. M/s Asia Motor Works Ltd
 3. M/s Amtek Auto Limited.
 4. M/s Tata Motors Limited
- (vi) Imports data for the period of investigation and preceding three years was collected by the applicant from IBIS. DGCI&S data could not be relied upon as the subject goods do not have a dedicated code and are being imported under various codes.
- (vii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- (viii) M/s. Bharat Forge Ltd., Pune, being treated as the domestic industry, has submitted the information/data. The Authority examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry. The company has maintained all statutory books of accounts. Since

information relied upon is from the books of accounts, the Authority has adopted the information verified from the books of accounts maintained by the company.

- (ix) In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 13th July, 2009. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- (x) The submissions made in response to the preliminary findings and arguments made in the written submissions/ rejoinders received from interested parties received after the public hearing have been considered, wherever found relevant, in this finding;
- (xi) Investigation was carried out for the six months period starting from 1.04.2008 to 30.9.2008 (POI) and the Injury analysis has been done for the period 2005-06, 2006-07, 2007-08 and POI.

The Authority notes that since the period of investigation and previous years represent different number of months, the Authority has compared period of investigation data with preceding years on pro-rata basis i.e. by annualizing the data for period of investigation, so that the same can be compared with previous years.

- (xii) Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating Chinese producers/exporters.
- (xiii) In accordance with Rule 16 of the AD Rules, the essential facts considered by the Authority were disclosed to the known interested parties. The comments received on the disclosure statement have been duly considered in these findings.
- (xiv) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

- (xvi) *** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

D. Comments of the interested parties on the Disclosure statement

The following comments, in brief, on the Disclosure statement have been made on behalf of some interested parties, namely, M/s. Hubei Tri – Ring Auto-Axle Co Ltd, China PR, M/s. Hubei Tri – Ring Forging Co Ltd., China PR, M/s. Ashok Leyland Ltd and M/s. Tata Motors Ltd.:

- Non-disclosure of normal value calculation - They have demanded disclosure of the components of Normal values and disclosure of how those components have been arrived at.
- Non disclosure of landed value calculation – It has been argued that landed value should be disclosed and have further stated that the landed value should include all Cess.
- Response filed by Hubei Tri-ring Auto Axle Co Ltd is complete in all respects - It has been argued that the Authority should clearly write that the response filed by the exporter is complete in all respects.
- Determining normal value not based on data furnished by the producer/exporter is against the express provisions of Section 9A(6A) - It has been argued that provisions relating to market economy treatment have become ultra vires by virtue of Section 9A(6A). Since Section 9A(6A) provides for determination of Normal values on the basis of records maintained by the company, the provisions relating to non market economy have now become ultra vires.
- Reasons given for rejection of the MET claims are not correct - The Chinese companies have questioned the rejection of market economy treatment in spite of an admitted fact that there is significant Govt. of China holding in the two Chinese companies and the fact that they have not been able to establish that prices of steel in China PR reflect market values.
- Like Article determination is incorrect - It has been argued that since the Chinese respondents have exported only one type of product, the like article must be established only with reference to such type.
- Injury analysis given is incorrect, improper, illogical and grossly deficient – They have disputed existence of injury to the domestic industry on following accounts.
 - a) Imports statistics – It has been argued that the import volume relied upon does not reconcile with the Chinese respondent's exports data.
 - b) Assessment of Demand on an annualized basis It has been argued that the annualization of the data is not correct for the reason that there were no imports in the subsequent period.

- c) Wrong basis for determining sales volumes of domestic industry - They have disputed the determination of injury on the grounds that only sales made to Ashok Leyland must be considered.
- d) Reasons for contraction in demand - It has been argued that reasons for contraction in demand have not been properly evaluated.
- e) Price effect analysis is based on false and unsubstantiated facts They have also disputed existence of injury on the grounds that profit/loss, return on investment and cash profits have remained positive.
- f) Use of Post POI data for a few indices is not warranted - It has been argued that the Authority has selectively used post POI data.

D.1 Examination by the Authority

The Authority has examined the issues raised by interested parties after the issuance of the Disclosure Statement as follows:

- (a) As regards disclosure of components of Normal values, the Authority notes that the amount of Normal values and the methodology adopted in arriving at such Normal value have been disclosed. As regards disclosure of the components of Normal values, since the same is, *inter alia*, based on confidential information of the domestic industry, the same cannot be disclosed.
- (b) While it is noted that the exporter had never made claim with regard to the landed value in its questionnaire response and at any time during the proceedings; the Authority has, however, now determined landed values after adding different types of Cess amounts.
- (c) As regards argument of the exporter that non-market economy provisions has become *ultra vires* under s/c 9A (6A), the Authority notes that the determination is fully consistent with the legal provisions.

As regards other issues, the Authority has examined the same in relevant sections of these findings.

E. PRODUCTS UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC 'LIKE ARTICLE'

D.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

7. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to products under consideration and like article:

- 7.1. Products under consideration in the present investigations are 'Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles'.

FRONT AXLE BEAM (FAB):

- 7.2. Front axle beam is an axle over which front wheels of the commercial vehicle are mounted which is then further connected to the chassis of the vehicle by spring leaves. FAB is a safety critical item as it carries the load of the vehicle and also keeps the steering in place. Failure of FAB will mean risking lives of people in the vehicle and also on the road.

Front axle beam is made of carbon steel/alloy steel, which is heat-treated or control cooled after forging. The heat treatment carried out is mostly hardened and tempered depending upon the material specification of the front axle beam. In a front axle beam, the section of the beam is changed depending upon the stresses induced. A front axle beam is composed of end portion called as king pin, the section and the gooseneck area, also called as cobra portion. At the king pin location; the steering knuckles are mounted through kingpin. Front Axle Beam is used in medium & heavy commercial vehicles to carry the front weight of the vehicle, the horizontal and vertical loads on bumpy roads and to act as a cushion through spring leaves for a comfortable ride.

STEERING KNUCKLES:

- 7.3. Steering knuckle is a part, which fits at the end of the front axle beam. A steering knuckle has jaws, also called as arms, flange and stem. The steering knuckles fit on the axle beam through the arms. The fitment is through a kingpin and the axle arm turns on the pin, which is a light drive, fit in the axle beam eye located and locked by a taper pin or some similar arrangement.

By using nuts and bolts, the hub is mounted on the steering knuckles on which the parts such as brake drum, brakes are fitted. On the brake drums, the wheel is fitted. Steering knuckles are a very critical component, as it controls the steering of the vehicle. Any breakage or damage of steering knuckles will affect the steering of the vehicle, leading to loss of control that may cause an accident.

- 7.4. Front Axle Beam and Steering Knuckles are classified under custom sub-headings as per table below. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigation.

Product	Customs Classification
Front Axle Beam	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
Steering Knuckle	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

- 7.5. The goods produced by the domestic industry are like article to the imported products.

E.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

8. M/s. AMW (Asian Motor Works Limited, Gujarat) in its response has stated that they do not import the subject goods but import complete assembly of (a) Front Axle Assembly (Non-Driven) from First Automotive Works (FAW), China (or affiliates); and (b) Hub Reduction Tandem Axle Assembly from Shaan Xi Hande Axle, China (or affiliates). It has further been contended by them that these goods are significantly different from the subject goods and have no resemblance / similarity either in terms of technical specifications or costs to the subject goods as stated in the application and therefore, are not like articles. It is further stated that to the best of their information and belief, M/s. Bharat Forge Limited, Pune does not manufacture the goods imported by them. Essentially, it has been contended they import the entire axle assembly and that there is no domestic industry for Hub reduction tandem axle assembly.

M/s AMW has requested the Authority to hold that Front Axle Assembly and Hub Reduction Tandem Assembly being imported by them from China PR are not covered by this investigation.

E.3 Examination by the Authority.

9. The Authority has considered the above submissions, including the argument taken by some interested parties that since the Chinese respondents are the sole exporters of the products to India and only one type of product has been exported by them, the like article should be established with reference to such product type exported by them. The Authority, however, notes that the like article is required to be determined with reference to the product under consideration as defined in the instant matter, while initiating the investigation. Thereafter, the ambit and scope of the investigation has not undergone any change whatsoever, therefore, the like article is not required to be defined with reference to the product type exported by the Chinese respondents.
- 9.1 It is clarified that ambit and scope of the present investigation is restricted to imports of 'Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles' originating in or exported from China PR only and the entire axle assembly is not a part of the scope of the investigation.
- 9.2 The products under consideration in the present investigation are Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles, classified under custom sub-heading as per table below. The

classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

Product	Customs Classification
Front Axle Beam	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
Steering Knuckle	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

10. There is no significant difference in the products under consideration produced by the Indian industry and the products under consideration exported from China PR, which can have an impact on price. Products under consideration produced by the Indian industry and originating in or exported from China PR are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, functions and uses, product specifications, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The Authority therefore considers that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of defining the ‘products under consideration’ as per Rule 2(d) of the AD Rules.

F. Standing and scope of the Domestic Industry

F.1. Views of Domestic Industry

11. M/s. Bharat Forge Ltd., Pune, filed the application before the Authority and the Authority considered the applicant as domestic industry, as it accounted for a major proportion of the production of the ‘Like Articles’ in India, in accordance with the AD Rules.
12. M/s Bharat Forge Ltd., Pune, has filed the Application for imposition of anti dumping duty. The Applicant has submitted that in case of Front Axle beam, the applicant is the sole producer; for Steering knuckles, apart from the applicant, there are other producers namely M/s Mahendra Forging Ltd., M/s Amtek Auto Ltd. and M/s Harig Crankshaft, who also produce the Steering knuckles. However, M/s Mahendra Forging Ltd., M/s Amtek Auto Ltd. and M/s Harig Crankshaft have fully supported the application, filed by M/s Bharat Forge Ltd. The production of each of the subject goods by the applicant company along with the supporters constitutes more than 50% and a major proportion of the Indian production.

13. Issues raised by interested parties

Captive consumption of Tata Motors Ltd.

- 13.1. The Chinese producers have contended that the applicant has made a wrong claim regarding captive consumption of M/s Tata Motors Ltd. It was contended by them that M/s HV Axles Jamshedpur also produces the subject

goods and therefore, the injury and NIP should be seen in respect of this unit as well.

Tata Motors Ltd in its response has stated that it is a domestic manufacturer of, among other things, heavy and mid-sized commercial vehicles. It accounts for approximately 65-70% of the domestic market for MCV's and HCV's and that it procures its requirements for the subject goods from both domestic manufacturers i.e. Bharat Forge Limited (BFL) and Ahmednagar Forging and from production that takes place at its own forging division in Jamshedpur i.e., HV Axles Limited (HVAL). HVAL, formerly the axle division of then TELCO, was set up as a subsidiary company of TML. As of March 31, 2008, TML holds an 85% stake in HVAL, while the balance of 15% is held by TATA Capital. HVAL manufactures axles for TML's consumption on a "jobbing" basis, mostly on forgings obtained from TML's forge division. While HVAL is presently catering entirely to the needs of TML, it is in the process of developing axles for other customers in a focused manner. It objects to the present investigation as a domestic producer and end-user of the subject goods.

14. Imports made by the Applicant

- 14.1. It has been contended by the Chinese producers that the applicant has indirectly imported the subject goods from the subject country through M/s Automotive Axles Ltd.
15. Difference in investment – The Chinese producers have contended that there is a difference in investment for producing the subject goods.
 - 15.1. The Applicant has disputed this claim by primarily stating that the issue is irrelevant unless the Chinese companies establish that they are operating under market economy environment. What the Chinese companies claim as "cheap" may in fact, be an issue of "non market economy symptom".
16. Steel consumption – The Chinese producers have contended that there is a difference in steel consumption while producing the subject goods.
 - 16.1. The Applicant has countered this claim by stating that M/s Bharat Forge produces Axle Beams in its plants in India, Sweden, Scotland and China PR. The equipment and processes used in all its plants in India and abroad are similar. It has been further stated that M/s Bharat Forge Ltd. supplies directly and through its subsidiaries, Axle Beams to all leading manufacturers of automotive industry such as Volvo, Renault, Mercedes, Iveco, DAF, MAN, Meritor, Dana (through them to all major US manufacturers of Trucks) and have over 50% share of business worldwide. The company could not have been competitive and enjoying such large market share, if its processes were not efficient and cost effective. It has been contended that M/s Bharat Forge products are the benchmark in global industry for quality and reliability.

Company has therefore been able to achieve leading market share in all markets where it operates and supplies. It has been contended that the same does not apply to any Chinese manufacturers. It is unfair pricing of Chinese producers that have reduced their market share to such a low level, as would be seen from the information given below separately. They compete in the market based on their products and services. However, Chinese producers have offered materially lower prices and have taken away a very significant share of Indian market, as would be seen from the table below. The Applicant contends that decline in the market share of the domestic industry is not because of "other Indian Producers". The same is because of imports from China PR. Further, in Steering Knuckles, even other Indian Producers have lost market share.

Market Share %	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (POI)	Oct-Dec'08
Front Axle Beam					
China PR	-	-	1.29	23.78	61.80
Domestic industry	100	100	98.71	76.22	38.20
Steering Knuckles					
China PR	-	-	6.14	17.47	98.95
Domestic industry	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
Other Indian Producers	64.65	56.24	54.02	49.93	0

F.2 Examination by the Designated Authority

17. Captive consumption of Tata Motors Ltd:

The Authority had sought clarification from the applicant on the issue. The applicant countered the above claim by stating that M/s HV Axles Jamshedpur is a wholly owned subsidiary of M/s Tata Motors Ltd. It has been stated by them that the forging is produced by M/s Tata Motors Ltd and M/s HV Axle does machining and assembly operations and supplies back to M/s Tata Motors Ltd. M/s HV Axles Ltd does not supply these products to any other customers. Similarly, Tata Motors' Forging Plant does not supply forgings to any other customers. Although these are two different legal entities, M/s HV Axles Jamshedpur is a 100% owned subsidiary (and not merely a related company). Further, major operations of forging are done by M/s Tata Motors Ltd. in its plant only. It has been further contended by them that possibly, the machining and assembly operations are "job work" between the two companies and there does not appear a sale & purchase between the two, even

though this issue also would not make any material difference. M/s HV Axles Jamshedpur is effectively a part of and captive suppliers to only Tata Motors Ltd. Given the business arrangements between the two parties, dumping by the Chinese and investigations by the Designated Authority, in any case, would have no impact on both parties.

The Authority notes that the submissions made by M/s Tata Motors buttress the arguments made by the domestic industry.

- 17.1. In this context, the Authority has also taken note of the reference made to the decision of the CESTAT in the matter of Pig Iron Mfrs. Asscn. v/s Designated Authority, Min. of Commerce (Final Order Nos. 6 to 15/2000-AD, dated 21-1-2000 in Appeal Nos. C/692 to 697/98-AD and C/63 to 66/ 99-AD), wherein the Hon'ble Tribunal had, *inter-alia*, ruled that captive consumption is to be treated as separate market while computing domestic industry.

- Imports made by the Applicant

- 17.2 This claim too has been countered by the applicant by stating that M/s Automotive Axles Ltd. is a Joint Venture between Arvin Meritor, USA and M/s Bharat Forge, and supplies Front Axle Assemblies to Asia Motor Works for some model of vehicles, for which forgings are supplied by M/s Bharat Forge Ltd. M/s Asia Motor Works, as per the applicant's information, imports complete Axle for some models of vehicles directly from China PR. There is no connection between M/s Asia Motors Works and M/s Bharat Forge Ltd. The applicant has claimed that they have confirmed with M/s Automotive Axles that they have not imported any Front Axle Beams or Steering Knuckles from China PR and has submitted a certificate issued by M/s Automotive Axles to the Authority clarifying that no imports of Front Axle Beams or Steering Knuckles have been made by them from China PR.

- 17.3 The Authority notes that the decision of the Designated Authority to exclude captive consumption has been sustained by the Hon'ble Tribunal in the matter of Pig Iron Mfrs. Asscn. v/s Designated Authority, Min. of Commerce.

- 17.4. Rule 2(b) under the Rules provides as follows: -

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry"

- 17.5 In view of the above, the Authority notes that (a) production of each of the subject goods by the applicant constitutes a major proportion of the Indian

production (b) Production of each of the subject goods by the applicant along with that of the supporters constitute more than 50% of the Indian production (c) that the application has been made by or on behalf of the domestic industry in terms of the AD Rules. Thus, M/s Bharat Forge Limited constitutes domestic industry for each of the products under consideration within the meaning of the Rule 2(b) read along with Rule 2(d) of the AD Rules.

G. DUMPING MARGIN

G.1. View of exporters/importers and other interested parties

M/s Hubei Tri-ring Auto-Axle Co. Ltd. (HTRAA)

18. M/s Hubei Tri-ring Auto-Axle Co., Ltd., China PR has stated that FAB is made from carbon steel / alloy steel. Indian manufacturer uses hot press process. Hot press process requires a high capacity press, usually of *** MT press. Under this process, forging or pressing waste is significant. On the other hand, they use a new 'Roll forming –cum- hot press' process. They invented this new process in which they first use 'rolling' to convert the hot steel billet into the required shape and then use a relatively lower capacity press to give finishing touches. They use three or four steps of rolling and then the rolled product is forged using a *** MT press. Though 'roll forming' process has been in vogue for many years for producing small parts, their company is the first company to combine 'roll forming' and 'hot press' together to manufacture FAB, that too, on a large scale. Their process is indigenously developed by their company and they own the patent for the same. It has been contended by them that in their patented process, more than ***% of the forming is completed in the rolling stage and only finishing touches are given using the forging press.

18.1 It has also been stated by the exporter that the Hot press process used by Indian manufacturer requires a *** MT press whereas their process requires only a *** MT press. The capital investment required for their process (including rolling machine plus lower capacity press) is approximately *** of the investment required for the hot press process for same production capacity. Under their process, wastage is lower compared to the process used by Indian manufacturer. Cost of die, rollers and other tooling costs are also significantly lower in their process. Consumption of electricity is also lower compared to the hot press process.

18.2 As regards Front Axle beam, the exporter has acknowledged the differences between the product exported to India and that sold in the domestic market of China PR on the basis of material/load/ Forging weight/ difficulties of process etc.

18.3 It has also been stated by them that the response filed by them is complete in all respects and that the producers and exporters have filed a combined response and that as per Appendix 2 filed by HTRAA, the transactions that were routed

through HTRMS have been shown with separate sub-totals. As such, complete information has been provided in respect of all those transactions. However, it has been conceded that the exporter HTRMS has not filed a separate response, because HTRMS no longer exports the product to India. Thus, there is no longer a need to determine a dumping margin for them, therefore question of filing a separate response by HTRMS does not arise.

Market Economy Status

18.4 It has been contended that they have provided complete details about the suppliers of raw materials, the legal status of those suppliers etc. it has been further contended that none of the suppliers of the raw material inputs are related to HTRAA and that none of the suppliers of steel or cutting tools are affiliated with HTRAA, and that the power and water fees are charged as per the time-shared price for industrial power in accordance with the supplier company's regulation.

18.4.1 With regard to the issue of the State in an NME having the position of a major shareholder, attention has been drawn to a decision of First Instance (Fourth Chamber) in the European Union in Zhejiang Xinan Chemical Industrial Group Co., Ltd. v. Council for the European Union, where the Court observed that "while State control over an undertaking is a matter which may possibly be taken into account, it is not sufficient, by itself, to demonstrate the existence of 'significant State interference' within the meaning of that provision"

18.4.2 It has been contended that the Authority consider all of the evidence submitted in the respondents' MET responses in light of the criteria laid out in Paragraph 8 of Annexure I of the Indian AD Rules, and not hold that merely because of State holding in a company the company is not entitled to MET.

Consumption norms

18.5 It has been contended that consumption norms have nothing to do with market economy claims and that physical consumption of an input does not change depending upon the nature of the market. Consumption of raw material depends on the manufacturing process used. It has further been contended that a review of the data provided in the application reveals that the applicant has considered 17 Kg. to be the per-piece weight of the imported steering knuckles. As such, this figure was used as the basis for converting the import number figures (for the subject imports from China) into kilograms. However, the correct weight for the subject merchandise produced by HTRF was in fact 16 Kg. s per piece. This 1 Kg. difference in the conversion weight used by the applicant and the actual weight applicant should have used as per HTRF's data results in an increase in the CIF price/Kg. of 9 Rs. – or 6.25% of the subject merchandise import price claimed by the applicant. The applicant's calculation methodology is inaccurate as it understated the export price by more than 6%. As such, the Authority should

adopt a per-piece weight for the subject merchandise steering knuckles of 16 Kg. in its dumping calculation.

Differences in the Manufacturing Process

FAB

19. It has been contended that the manufacturing process utilized by HTRAA requires lower capital investment. This is because HTRAA uses a ‘roll forming -cum- hot press’ process which only requires **** MT press for forging purposes. BFL, on the other hand, uses a hot forging process that requires a **** MT high capacity press. The ‘roll forming –cum- hot press’ process results in less wastage than does the hot forging process used by BFL. Less waste in turn translates into less input weight and lower manufacturing costs. The difference in the manufacturing process used by the applicant and that used by HTRAA has been placed on the record showing the reduction in wastage by HTRAA. It has been contended that HTRAA benefits from its own patented production process. HTRAA’s patented process requires a capital investment equal to approximately one-quarter of the capital investment required by Bharat Forge. As stated above, because less waste results from HTRAA’s process, HTRAA’s process requires less input weight per front axle beam produced (i.e., *** kg. of iron to produce an FAB using the rolling-cum-forging process as opposed to *** kg. required by Bharat Forge when using its hot forging process – or 11 kg. less per FAB produced).

Comments on the verification report by the company

20. It has been contended that

- There was no State interference in appointment of directors.
- There is no affiliate relationship between the company and national, provincial and local governments.
- The Board of directors is elected by the shareholders and the Board of directors runs the company within the authority granted by the ‘Shareholders’. All operational decisions are taken by the executives of the company or by the Board of directors, as may be required. There are 9 members in the current Board of Directors of the Company. Each of the directors above has one voting right when voting on the Board of Directors. The company is not required to notify about appointment of directors/managers to any governmental authority. The company does not require any authorization or permission for producing or exporting the product concerned except for the business licence. The company is not subjected to any direct or indirect quantitative restrictions. The company’s sales activities in the scope of business approved by the business license are not interfered by other organizations or companies. The sales operations of the company are decided by itself. The prices and the quantities are set by the company based on

market demand without the participation of or influence by the government or governmental organizations. Within the company, a committee consisting of CFO and three other Deputy General Managers discuss and decide the prices to be charged on the products sold. There are no enactments or other formal measures by the Government that control the export activities of the company. There are no restrictions on the use of the company's export revenues. The company only exports products to India at present and does not have export business with other countries. The price of the products sold to India is decided by direct negotiation with Indian customers. The process of the negotiation and the final price are totally decided by the buyer and supplier. There is no interference by any third party.

- The raw material for the products concerned is purchased through the following channels. It is supplied by domestic steel mills in China through short-term contracts directly according to production needs; the raw material used for FAB exported to India is supplied by Daye Special Steel Co., Ltd which is approved by customer. We cannot procure the raw material from any other supplier. This Daye Special Steel Co Ltd is a company limited by shares listed at Shenzhen Stock Exchange (000708).
- The raw materials procured by the company for production of products exported to India are not traded at the international level. Hence, no international prices are available for inputs.

M/s Hubei Tri-Ring Forging Co Ltd., China PR

21. M/s Hubei Tri-Ring Forging Co Ltd, China PR, a manufacture and exporter of 'Steering Knuckles' has stated that the production process employed by them is quite different from the one employed by M/s Bharat Forge – the Indian manufacturer, such as: at Bharat Forge, *** Axle arm is forged on the ***T screw press machine (the price of the equipment is *** RMB), but in their company, it is forged on ***T stamping hammer (the price of the equipment is *** RMB). Thus, investment required for their process is significantly lower and the cost is also lower. In India also, another company who supplies the same product to Ashok Leyland namely Ahmednagar Forging Ltd (of AMTEK group) uses the stamping hammer process and their selling prices are lower than the applicant's selling prices. It has been further stated with over 20 years of experience, they have designed a process that can give more precise shape and size at the forging state leaving lower allowances for machining. This has improved raw material consumption ratio. For the same finished weight of ***kg, they use *** kg of steel while M/s Bharat Forge uses *** kg of steel. The saving of *** kg leads to significant reduction in cost. Indian manufacturers use steel specification *** whereas they use steel specification ***. The steel specification used by Indian manufacturer is costlier than the steel specification used by them though both of them have identical properties. They use advanced die repair method using

different welding material that enhances the life of the die resulting into lower running cost per unit of finished product.

21.1 As regards Steering Knuckles, the exporter has claimed similarities between the product exported to India and that sold in the domestic market on the basis of similarities such as Outer shape, Material used, Forging Style, Machining Process and the Forging Equipment used. However, it is also acknowledged by the exporter that there are differences in the Steering knuckles sold to India and those sold in China PR, on account of physical characteristics.

21.2 It has been contended that none of the suppliers of the raw material inputs are related to HTRF, electricity power fees are charged in accordance with the regulation of the electric power company, and that water fees are charged according to the local water price for industrial purpose.

21.3 It has been contended that lower capital investment is required as a result of the smaller size (and thus price) of the press used. Specifically, whereas Bharat Forge uses a ***T screw press machine that costs **** million RMB, HTRF uses a ***T stamping hammer that costs only **** million RMB. The difference in the purchase prices of these two machines alone demonstrates a much lower capital investment required by HTRF vis-à-vis BFL. Furthermore, the process used by HTRF requires less steel than does the process used by BFL. Specifically, for the same finished weight of *** kg., HTRF uses *** kg of steel while BFL uses **** kg of steel. This saving of **** kg results in a significant reduction in costs for HTRF vis-à-vis BFL. HTRF's die repair method uses a different welding material that enhances the life of the die. This translates into lower running costs per unit of finished product vis-à-vis BFL.

22. Comments on the verification report by the company

- It has been contended that there was no State interference in appointment of directors.
- The company's business license is a certificate which indicates that the company has the reasonable right for business and the right to do business. The license does not impose any limitation on the operation of the company or create any entitlements for the company.
- The company does not have any relationship with the national or the local government.
- All the properties of the company belong to the whole shareholders of our company. They enjoy profit after the tax and they bear the loss of the company.
- Tri-ring Forging is controlled by the shareholders, and the Board of Directors is the company's executing agency. The directors are recommended and selected by the shareholders, the board employ the general manager who in turn appoints deputy general managers and the other senior executives. There

are 7 members in the current Board of Directors of the Company. Each of the directors above has one voting right.

- The company does not require any authorization for exporting the product concerned. The company is not subjected to any export quotas. The company's sales activities in the scope of business approved by the business license are not interfered by other organizations or companies. The sales operations of the company are decided by itself. The prices and the quantities are set by the company based on market demand without the participation of or influence by the government or governmental organizations.
- There are no enactments or other formal measures by the Government that control the export activities of the company. There are no restrictions on the use of the company's export revenues.
- The product concerned is not exported to other countries except Indian market. The company negotiates prices directly with our Indian customer - Ashok Leyland. The price is not subject to review or guidance from any governmental organization/bodies. The company is not a member of any Chamber of Commerce.
- The company is not subject to any restrictions on the distribution/repatriation of profits and repatriation of capital invested.
- The raw material is alloy steel bar. The major suppliers are Hubei Daye Special Steel Company, Wuhan Xiang Metallic Material Company and Jiangyin Xingcheng Special Steel Company.
- The raw materials procured by the company for production of products exported to India are not traded at the international level. Hence, no international prices are available for inputs.

G.2. Views of Domestic Industry

23. The Applicant has contended that they have evaluated the process employed by the exporter and that they believe that the process employed by the exporter has some inherent quality risks and therefore the applicant has opted for a process that is being used in most of the reputed manufacturing facilities worldwide and has wide customer acceptance. The difference in the two processes gets established by the fact that whereas the applicant sells globally and is world's largest forging company supplying to a large number of renowned consumers [which include Ashok Leyland (India), Tata Motors (India), Meritor (US), Dana (US) and Daimler Chrysler (Germany)], the Chinese manufacturers are not able to sell to all these companies and have been, in fact, able to sell to India only because of significant price advantage given by them to the Indian consumer.]

23.1 It has been further contended that even if the Chinese producers have a different press, the same does not imply that the process or technology is different.

Technology for production is “open forging” “closed forging”, etc. These are certainly the same. The process involved is

- a. **Billet Cutting:** Metal bars are cut in to specific length-wise pieces to feed in to furnace for heating. One billet will become one part after forging process.
- b. **Heating:** Heating of the billet to the process specified temperature.
- c. **De-Scaling:** During heating process, surface scale is formed. This is removed by passing the heated billet through De-Scalar.
- d. **Rolling:** Billet is passed through a set of rollers with a particular impression machined on it. During this operation billet gets elongated and uniform cross section of billet becomes non uniform as per the design requirement. 2 pass rolls are commonly used for rolling of Front Axle beam.
- e. **Bending:** Rolled hot billet is forged under bending tools to get desired bend.
- f. **Blocker:** Bend billet will get a shape near to final part in this operation. Blocker is necessary to get smooth material flow.
- g. **Finisher:** In this forging operation blocker will get the final shape as required.
- h. **Trimming:** During Blocker and finisher operation, extra material of the billet comes out as a flash, around the part. This flash gets trimmed during this operation.
- i. **Padding:** Axle Beam should have flatness on the pad areas. During forging draft face is necessary. This draft face is ironed to straight face during this operation.

This completes the forging operation. After this the beams are heat treated and processed.

- j. **Heat treatment:** Beams are heated in a furnace up to a certain temperature and held for a few hours at that temperature. This process gives the beam uniform grain flow and the necessary strength related properties.
- k. **Processing:** Here the scales on the surface of the beams are removed using shot blasting. This is followed by inspection for cracks and dimensional inspection.

The above processes are common to both.

Possibly, what is different between the two is the size/weight of press. That cannot however mean difference in process or technology.

23.2 It has been contended that the normal value may be determined for all exporters/producers from China PR as per rules applicable for non-market economy country. In order to arrive at normal value on the basis of “comparable price” of market economy third country, the Designated Authority shall require complete & exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a cooperating producer in such third country, along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade). The Applicant has requested to consider India as an appropriate surrogate country for Chinese producers, because the accurate and adequate information for India is easily accessible. Other Investigating Authorities have been considering India as appropriate surrogate country and there is no factual basis, which restricts the same.

23.3 It has been submitted by the Applicant that failure to satisfy even one of the conditions for claiming market-economy status by the responding Chinese exporters is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and thus the normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.

G.3 Examination by the Authority

24. Under Section 9A (1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and*

for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

G.4. Normal Value in China PR

25. In anti-dumping investigations concerning imports originating in China PR, Normal value is to be determined in accordance with Paras 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that Para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin..."

26. Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)."

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."

27. In terms of sub Para 3 of the paragraph 8 of Annexure 1 of the AD Rules, the Designated Authority is required to consider the following criteria as to whether:

- a. the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values:

- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate;
28. The Authority notes that the two Chinese exporters have submitted their questionnaire responses including the market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of Normal values of the responding producers/exporters of the subject goods from the subject country as follows:
29. During the verification, Authority has, *inter alia*, noted that total State holding in M/s Hubei Tri-ring Co Ltd including direct and indirect holding was ****%. As of 31-12-2008, the company had 42,825 shareholders in all. In Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd., total State holding including direct and indirect holding was ****%. None of the other shareholders individually in the two companies command significant share holding. It was also noted that majority of the board of directors of the companies are appointed by the State holding entity. The company was specifically asked to establish that the decisions of the company were without significant State interference and that their prices of inputs, including raw materials substantially reflect market values. The company was not able to demonstrate that there was no State interference in appointment of directors. The company was not able to provide the details of prices of inputs vis-à-vis the prevailing international prices of these inputs. It was also found that the company had exported to India FA50, FA90 and FA99 both machined and forged. There was a single consignment of 8 pieces of FA90 (air shipped) as free samples for which no value was received from the customer. With regard to the two models, FA90 and FA50, the company claimed that EQ153 and Steering Knuckles were the most closely resembling models. However, there were notable differences within the models sold in the home market as per buyers' specifications.
30. The Authority is of the view that in a situation where one of the shareholders in the company is a State owned/controlled entity having significant shares in the company, possibilities of State interference cannot be ruled out. The producers have named the raw materials suppliers and identified their legal status; but they have not provided any evidence to establish that prices of basic inputs substantially reflect international prices. At the same time, domestic

industry has claimed that, in fact, price of steel in China PR does not substantially reflect market values.

31. The Authority has noted the comments to disclosure statement offered by the Chinese respondents and holds that considering the significant State holding in the two Chinese respondent companies, they are required to establish how it is entitled for market economy treatment. It is pointed out in this regard that the onus to establish market economy entitlement is on them and not on the Authority. Further, particularly in a situation where both the companies have significant share holding of the Govt. of China PR and further considering that steel is the major item of raw material in the instant matter, the Chinese respondents are required to establish that steel prices substantially reflect market values. It is noted in this regard that the Chinese respondents have provided no evidence to establish that there is no interference by the Govt. of China in its operations and have merely made a statement/claim that there is no State interference, without substantiating the same. They have not established how the ownership by the State has not resulted in any interference in the operations of the company. Similarly, they have not established how prices they have paid for steel are reflective of market values. They have made a comparison of its steel price with the price of steel prevailing in China PR but have not shown with any evidence that the prices of steel are comparable to the international prices thereof, despite a specific request made to them to this effect. Thus, while examining whether the Chinese companies are entitled for market economy treatment, the prices of inputs prevailing in China PR cannot be relied upon as the acceptance of such prices would imply giving market economy status to China PR. Thus, axiomatically, the onus was on the Chinese companies to, *inter alia*, rebut the presumption that the prices of inputs procured by them substantially reflect the market values, which has not been done in the instant matter.
32. Thus, the Authority is unable to grant market economy treatment to the two Chinese exporters, considering the fact that there is a significant State share holding in the two Chinese companies and considering that price of steel in China PR does not substantially reflect market values, it could not be established that the sales of merchandise by the Chinese companies reflect the fair value of the merchandise, particularly that the costs of major inputs, substantially reflect market values.
33. In case of M/s Hubei Tri Ring Auto Axle Co. Ltd, it is admitted that exports to India were made through a related entity also, namely M/s. Hubei Tri Ring Motor Steering Gear Co. Ltd. during the POI. However, M/s Hubei Tri Ring Motor Steering Gear did not file response to the questionnaire. The Authority notes that the fact that such sales were for a very short period of the POI, does not imply that response to the questionnaire need not be filed by such company. The prescribed questionnaire clearly provides for filing of questionnaire responses by all those entities that have exported the subject goods to India during the POI. Thus, the Authority reiterates its view that

questionnaire response is deficient in this regard. Further, since the onus of filing the questionnaire response is on the exporter and since the response has not been filed at all, this is not an issue that requires to be addressed through a deficiency letter, which is issued for seeking additional information or seeking rectifications wherever apparent errors or deficiencies have been observed.

34. It is also noted that no questionnaire responses have been filed by entities other than the two Chinese exporters specified above.
35. Besides during the verification visit of the Chinese companies, it was noted that there were differences between the products sold by the exporters in their domestic market and the products exported by them to India.
36. In view of the above and considering issues such as significant State-share holding, inability of the Chinese companies to establish, *inter alia*, that inputs price substantially reflect the market values and also considering that prices of steel in China cannot be stated to be reflecting the market values, the Authority is of the view that the producers - exporters from China PR have not been able to rebut the Non-market economy presumption for the determination of their Normal Value.
37. Considering the China PR as NME, the Authority has determined Normal values for the products that are like articles to the exported products.

Determination of Normal value in respect of Co-operative Exporters/Producers

38. The Authority has noted that the two products have been sold to India as per buyer's specifications and that the exporters do not sell the identical product either in their domestic market or export to third countries. As regards, another article which although not alike in all respects, but has characteristics closely resembling those of the articles under investigation; the exporters have claimed certain similarities as well as certain differences between the two products that have been sold to India and the products sold in their domestic market. The Exporters have claimed Normal values on the basis of similar products sold in their domestic market. However, the Authority notes that it must determine Normal value for the products that are like articles to the exported products. The differences in the products sold by the exporter in its domestic market and exported to India are relevant for determination of Normal values and dumping margins.
39. Besides as noted above, there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters from the subject country, such as significant State-share holding, inability of the Chinese companies to establish, *inter alia*, that inputs price substantially reflect the market values and also considering that the exporters have not been able to establish that prices of steel in China reflected the market values; it is noted that the Chinese companies have not been able to rebut the presumption of NME in their

respective cases. Therefore, the Authority has determined the Normal value in China PR on the basis of Para-7 to Annexure-I of the AD Rules.

40. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

41. The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant had claimed that China PR is a non-market economy and European Union could be considered as a market economy as an appropriate surrogate country. The applicant had determined Normal value based on both cost and price in Europe. The Authority invited comments from all interested parties in accordance with para 7 of Annexure I of the AD Rules. However, none of the interested parties, other than the applicant, have placed any material fact before the Authority to select an appropriate market economy third country for the purpose. The Authority notes that European Union is a developed territory and consideration of European Union as an appropriate surrogate country/territory would lead to much higher Normal value and resultant dumping margin.
42. The Authority has determined the Normal value in China PR on available reasonable basis, in terms of second proviso of para 7 of Annexure 1 to the AD Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the products under consideration have been determined based on costs of production in India, duly adjusted. Since the exporters have not established any difference in the characteristics of the products under consideration exported to India and goods sold by the domestic industry, the Normal Values have been constructed taking into account international price of major inputs, respective consumption norms of the co-operative Chinese producer, conversion costs, and SGA expenses of the domestic industry and a reasonable profit margin of 5%.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

43. Since, no other response has been received from any other Chinese producer/exporter of the subject goods; the Authority has determined their Normal Value as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The Normal Values have been constructed taking into account international price of major inputs, consumption norms, conversion costs, and SGA expenses of the domestic industry and a reasonable profit margin of 5 %.

G.5. EXPORT PRICE

G.5.1. Views of Domestic industry:

44. According to the WTO Agreement on Anti Dumping and Indian AD Rules, comparison of Normal value and Export price should be done at same level of trade. Therefore, the Export price has been adjusted for the following expenses, which must have been incurred by the exporter for exporting the subject goods to India (i) Ocean Freight; (ii) Marine Insurance; (iii) Port Expenses and Handling Charges; (iv) Inland Freight; (v) Bank Commission; (vi) VAT difference.

G.5.2. Examination by the Authority

Export Price in respect of Co-operative Exporters/Producers

45. The Authority has considered all exports made by the responding exporters for determination of export price for each of the products under consideration as per their submissions. The exporters have claimed adjustments towards inland freight, Packing Exp., credit cost, port handling charges, bank charges to arrive at ex-factory export price. The adjustments claimed were verified from the books of the exporters and are being allowed. The Authority has determined the export prices after deduction for these expenses – packing, inland freight, credit cost, port handling charges and bank charges.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

46. Since, no other response has been received from any other Chinese producer/exporter of the subject goods; the Authority has determined their Export Price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative exporters. It is seen that apart from the co-operative exporters, the available data on record does not show any imports of FAB in machined form.

G.6. DUMPING MARGIN

G.6.1. Views of Domestic Industry:

47. The dumping margin is not only more than *de-minimis*, but also significantly high, causing material injury to the Indian industry.

G.6.2. Examination by the Authority

48. Considering the normal value and export price determined as detailed above, dumping margin has been determined in respect of imports reported in India during the period of investigation. The dumping margin has been determined as follows:

		Front Axle Beam		Steering Knuckles		
		(M/s Hubei Tri-ring Auto-Axle Co. Ltd.)	(M/s Hubei Tri-Ring Forging Co Ltd., China PR)			
		Forged	Machined	Forged	Machined	Weighted average (Forged and machined)
Normal Value	No imports	*****	*****	*****	*****	*****
Export Price		*****	*****	*****	*****	*****
Dumping Margin		*****	*****	*****	*****	*****
Dumping Margin-%		16% -21%	42%-47%	17%-22%	22%-27%	

H. INJURY AND CAUSAL LINK DETERMINATION

49. For the purpose of assessing the injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods from subject country on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between the dumping and injury, if any. Accordingly the volume and price effects of dumped imports have been examined as follows:

View of exporters/importers and other interested parties

Import volumes

50. It has been contended that based on the data provided by the exporters and Ashok Leyland, there were no exports during November and December 2008. There is no evidence on the record of this proceeding to support such a contention. In fact, there were no imports of the subject goods whatsoever between November 2008 and April 2009. It has been contended that it is

absurd for the applicant to claim that the domestic industry's sales "would have been far higher in the absence of the dumped imports".

51. Furthermore, as per Ashok Leyland's prior submissions, Ashok Leyland is currently facing a severe fall in demand for its vehicles. In fact, it is this drop in demand that lead Ashok Leyland to cease all imports of the subject merchandise between November 2008 and April 2009 and to source the products domestically during this period. Again, as Ashok Leyland is the only importer of the subject goods, it is hard to see how the applicant can claim that it experienced a significant decline in sales due to dumping from China PR.
52. It has been contended that last of import consignment was shipped from China PR in October 2008 and was cleared in India in November 2008 and thereafter, there are no imports at all during the year 2008-09. Similarly, Ashok Leyland has not purchased the subject goods from the domestic producers also since November 2008 till March 2009.

Global recession and consequent fall in demand

53. M/s Tata Motors Ltd has contended that due to the ongoing global recession and consequent fall in demand, TML's total consumption of the subject goods has fallen dramatically in the past three years. So too have its purchases of the subject goods (from BFL and others), most steeply during the POI. Thus, the applicant's claim regarding potential sales "in the absence of dumped imports" is entirely without merit. The injury, if any, is a result of a slump in demand rather than imports from China PR. Besides, BFL's prices are not competitive with those of other domestic producers.

Post-POI data

54. It has been contended that the Authority has considered post POI sales and production data relating to the domestic industry in a number of places and that normally, post-POI data is not considered at all.

Full Information on exports made not disclosed by the exporters

55. Responding to the written submissions filed by the applicant, it has been contended that Ashok Leyland is the only importer of the subject goods from China PR and no other Indian vehicle manufacturer has got the subject goods developed in China PR for their vehicles. It has been further contended that the sheet filed by the applicant entitled 'Imports done by AL from 01.04.07-30.08.09 with respect to Receipts' is nothing but a repetition of the first list with respect to Despatches, except that the actual dates of clearing these items from the Customs are given. It has been contended that after cross-checking the import data provided at the oral hearing (with regard to Receipts) with Ashok Leyland's records, it is found that a large number of the dispatches referenced in the applicant's data have been double counted.

The process of vendor development in this industry

56. Responding to the applicant's contention that "it is a long drawn out process of 15-19 months before a consumer of the products under consideration can develop a new vendor" ... and that "no consumer would pass through such an elaborate process unless they have in mind medium to long term procurement of the product from the new source, that too from a foreign source" and that "the importer had medium to long term arrangement in their mind before they decided to incur significant time and resources in vendor development" and that "this itself establishes the injury that the dumping is causing or is likely to cause"; the Chinese respondents have countered this claim by stating that the "vendor development in this industry" is not unique to this industry. In fact it is common across a number of industries and sectors - whenever customers require manufactured inputs.

Price Effect of imports

57. Referring to applicant's claim regarding significant price undercutting, it has been contended that the applicant has overlooked the fact that it has calculated landed value for the subject merchandise as the CIF Price + the amount paid in the Customs duties. As such, the applicant's landed value calculation leaves out the 1% landing charges that are included in the assessable value (upon which the customs duties are levied). Accordingly, the applicant's landed value figures in Annexure 4.2 should be amended as follows:

Revised POI Figures for Annexure 4.2	Steering Knuckles		Front Axel Beams	
	Forged	Machined	Forged	Machined
CIF Price	93.00	139.90	100.64	98.09
1% Landing Charge	0.93	1.39	1.00	0.9809
Assessable Value	93.93	141.29	101.64	99.07
Customs Duty (7.5%)	7.04	10.59	7.62	7.43
Landed Value	100.97	151.88	109.26	106.5

Analysis of capacity and capacity utilization is incorrect

58. It has been contended that the domestic industry has not given the capacity and capacity utilization separately for the products concerned and that they should have given the details for FAB and Steering Knuckle separately. On the contrary, they have given capacity and capacity utilization for a number of products put together.

Threat of Material Injury

59. It has been contended that commonplace and legitimate business behaviour such as developing a vendor in an overseas location cannot be regarded as presenting a "threat" to the domestic industry. Furthermore, a review of

Ashok Leyland's importer's questionnaire response makes it very clear that Ashok Leyland was sourcing a significant proportion of their subject goods requirements from BFL and other domestic suppliers both prior to and during the POI. Finally, Ashok Leyland stopped importing subject goods altogether between November 2008 - April 2009.

60. Further, while the applicant claims that the websites for the Chinese producers "show that capacities created by the producers in China PR are more than their domestic demand", applicant has failed to provide any evidence of the same for the record.

Causal Link

61. It has been contended that as per the Appellate Body report in US-HR Steel from Japan the Authority must ensure that, when the injury caused by other factors is subtracted, the remaining injury (caused by the dumped imports) still rises to the level of material injury. When considering the "other" causes of injury in this case, the Authority should take into consideration the extent to which the injury caused by this "other factor" (i.e., the fall in demand caused by the recession) dilutes the causal link between the dumped imports and the injury caused by it.
62. It has been contended that the recession has had an effect on the domestic industry and the Authority must consider the slump in domestic demand and its consequent impact on the domestic industry.

Difference in exchange rates

63. It has been contended that the levying of antidumping duties on the subject goods would seriously harm the automobile industry must be considered in light of the current INR-USD exchange rate. The exchange rate was US\$ 1 = INR 42.26 during POI and is now hovering around US\$ 1 = INR 48.00. This itself has added to the cost of imports by about 12% to 15%.

H.1 Examination by the Authority

Volume Effect

a) Assessment of Demand

64. It has been argued by some interested parties that the annualization of demand is not correct for the reason that no export/import occurred after the period of investigation. The Authority, however, notes that the annualized data has been adopted for the purpose of comparing the period of investigation data with the preceding data. The adoption of this annualized data, however, does not imply inclusion/consideration of post POI data herein and such annualization pertains to the period of investigation only.

65. These interested parties have argued that reasons for contraction in demand have not been properly evaluated and have requested the Authority to examine the reasons for the contraction in demand in an objective and unbiased manner. In this context, it is noted that demand for the products have shown significant decline. The applicant was therefore asked to advise the reasons for the decline in the demand and why this decline in demand should not be considered as a factor of injury. Considering that the products under consideration are consumed in production of medium and heavy commercial vehicles, information with regard to production of medium and heavy commercial vehicles in the Country was also collected. SIAM, Society of Indian Automobile Manufacturers at their website maintains information with regard to production of vehicles in the Country. It is noted that commercial vehicle production has shown a decline. Therefore, the decline in demand of the products appears to be on account of decline in production of medium and heavy commercial vehicles in the country.
66. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the products under consideration, the Authority has added the sales volume of the domestic industry and other Indian producers to the total imports into India as per facts available on record, which has been summarized as under:

Demand

Front Axle Beam	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI	POI (annualized)
Imports from China PR	MT			221	1,677	3,354
Sales of Applicant	MT	10,123	16,572	17,016	5,124	10248
Demand (Indexed)	MT	10,123	16,572	17,237	6,801	13,602
Indexed		100	164	170	134	134

Steering Knuckles	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI	POI (annualized)
Imports from China PR	MT			462	492	984
Sales of Applicant	MT	2,023	3,112	2,998	918	1836
Sales of other Indian Producers	MT	3,700	4,000	4,065	1,406	2,812
Demand	MT	5,723	7,112	7,525	2,816	5,632

Indexed		100	124	131	98	98
---------	--	-----	-----	-----	----	----

67. As stated, the Authority notes that the demand has shown a decline in the POI as compared to the previous year and that apparently the decline in demand is due to decline in commercial vehicle production.
68. In a situation where demand for the products under consideration has declined, the Authority is required to determine whether injury to the domestic industry is because of dumped imports or because of decline in demand for the products under consideration. This may be established by considering market share of various parties in the demand for the subject products in the Country. The market shares of Indian producers are given below:

Market Share %	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (POI)	Oct-Dec'08
Front Axle Beam					
China PR	-	-	1.29	24.66	61.80
Domestic industry	100	100	98.71	75.34	38.20
Steering Knuckles					
China PR	-	-	6.14	17.47	98.95
Domestic industry	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
Other Indian Producers	64.65	56.24	54.02	49.93	0

69. It is seen from the above that market share of the domestic industry has declined in the period of investigation. As per the data made available by the applicant, further decline is seen in its market share in October-December 2008. Thus, within the available demand, the domestic industry has lost its market share, thus establishing that the sales volume of the domestic industry has declined because of dumping as well as decline in demand. It is noted that while the domestic industry was already facing the problem of declining demand of the subject goods, the same was compounded by the dumped imports.

b) **Import Volume & market share**

70. As regards the issue of Imports volume, the respondents have disputed the import volumes relied upon by the Authority on the grounds that they are the sole exporters, and thus the export volume cannot be different from the imports adopted by the Authority. The Authority, however, notes that (a) the two data need not match for the reason that whereas the imports into India on

the basis of arrival in India have been adopted for the purpose of injury assessment; the exporter has given information on the basis of invoicing by them (i.e., the date of invoice). Since there is significant time-lag between the date of invoicing of the goods in China PR and clearance of the goods at Indian port, the two data need not be reconcile; (b) Besides, it may not be correct to state that the Chinese respondents are the only exporters of the Products under consideration to India and likewise, the importer may not be the only importer of the products in India. Notwithstanding the above, the Authority notes that the difference pointed out is not significant.

71. Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that with regard to volume of the dumped imports, the Authority is to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

(i) A quarterly comparison with the corresponding period of previous year shows that the imports have significantly increased in absolute terms, except for a dip in Apr.-June 08 period as regards Steering Knuckles. The Authority has determined the volume of imports based on IBIS data, as shown in the following table:

Unit in MT	Front Axle Beam	Steering Knuckles
Apr.-June 07	-	-
July-Sept.07	-	10
Oct.-Dec., 07	14	112
Jan.-March 08	207	340
Apr.-June 08	685	154
July-Sept.08	913	300

72. It is seen that large volume of imports of subject goods started in 2007-08 and increased in a relatively short period.

(ii) Imports have increased in relation to production and consumption

	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Apr-Sep. 2008 (Annualized)
Increase in imports in relation to production (%)					
Axle Beam	-	-	1.30	32.98	31.43
Steering Knuckles	-	-	15.44	55.58	55.58

Increase in Imports in relation to Consumption (%)					
Axle Beam	-	-	1.29	24.66	23.78
Steering Knuckles	-	-	6.14	17.47	17.47

- (iii) While market share of the subject country has increased, that of the Indian industry has declined. It is noted that in addition to a major consumer/importer of the products under consideration, there are a number of other consumers who are sourcing their requirement from Indian market. Since other consumers have not yet reportedly imported the products under consideration so far, the actual impact of dumping on the domestic industry is reflected only in terms of share gained by the imports made by limited consumers.

Market Share in Demand-%	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Front Axle Beam				
Imports from China PR	-	-	1.29	24.66
Domestic industry	100.00	100.00	98.71	75.34
Other Indian Producers	-	-	-	-
Steering Knuckles				
Imports from China PR	-	-	6.14	17.47
Domestic industry	35.35	43.76	39.84	32.60
Other Indian Producers	64.65	56.24	54.02	49.93

Price Effect

73. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. It is seen that the landed price of imports of the subject goods are significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting. The position is as follows:

Price Effect		2007-08	POI
Front Axle Beam	Unit	Machined	Machined
Landed Price	Rs./Kg	82.01	110.16
Net Selling Price	Rs./Kg	***	***
Price Undercutting	Rs./Kg	***	***
Trend		100	67
Price Undercutting	%	***	***
Price Undercutting	Range	25-30%	15-20%

		2007-08			POI		
Steering Knuckles	Unit	Forged	Machined	Total	Forged	Machined	Total
Landed Price	Rs./Kg	72.04	130.83	72.06	88.75	159.21	138.73
Net Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./Kg	***	***	***	***	***	***
Trend		100	100	100	118	33	77
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Range			20-50%			10-15%

74. It is observed that the landed price of imports of the subject goods is significantly below the selling price of these products by the domestic industry. The domestic industry has contended that as a result of significant price difference between the imported products' price and domestic industry's price, some consumers have switched over to the imported product. The applicant has claimed that the Chinese producers are apparently able to sell at these prices for a number of other factors, such as support by the Govt. of China PR in terms of making steel available to them at prices substantially below the international prices, huge subsidies in terms of cheap power, etc. It has been stated by them that barring such factors, there is no other reason for the Chinese producers being able to sell at present prices.

Examination of Economic Parameters of the domestic industry

75. It is noted that neither the subject products have a past history of dumping, nor there were significant imports during the current injury period up to 2007-08. In fact, significant imports have been reported only during the period of

investigation. Therefore, even when the domestic industry has presented the information for injury period, the applicant has claimed that the performance of the domestic industry in the period of investigation should be compared with immediately preceding period in order to examine whether the same deteriorated as a result of dumping from subject country. It would be seen that performance of the domestic industry deteriorated materially during the relevant period.

76. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

a) **Sales Volume**

Figures in MT

Sales Volume	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Post POI
Front Axle Beam	MT	10,123	16,572	17,016	5,124	353
Steering Knuckles	MT	2,023	3,112	2,998	918	3

77. It is noted that the sales of the subject goods have increased up to 2007-08 and then declined significantly in POI. The sales in the third quarter of 2008-09 (Oct-Dec '08) also show steep decline as compared to the period of investigation.
78. As stated before in the para relating to demand, sales volumes of the domestic industry appear to have declined for two reasons – dumping from China PR and decline in demand. The decline in demand has also led to decline in sales volumes. The applicant has claimed that but for dumping of the subject goods, the sales volumes of the domestic industry could have been correspondingly higher.

Figures in MT

Sales Volume	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Apr-Sep.'08 (Annualized)
Sales of Indian Industry					
Front Axle Beam	10,123	16,572	17,016	5,124	10,247
Steering Knuckles	2,023	3,112	2,998	918	1,836

b) Capacity and Capacity Utilization

Particulars	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Apr-Sep.'08 (Annualized)
Plant Capacity-MT	200,000	240,000	240,000	120,000	240,000
Plant Production-MT	136,790	165,239	191,738	94,662	189,324
Plant Utilization-%	68.40	68.85	79.89	78.89	78.89

79. Since the applicant produces a number of products in the same plant, effect of dumping on the capacity utilization was examined after including production of other products. It is noted that the plant utilization has increased up to 2007-08 and then declined marginally in the POI.

c) Production for Domestic Market

Figures in MT

	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Post POI
Front Axle Beam	10,073	16,572	17,034	5,085	337
Steering Knuckles	2,023	3,115	2,995	885	3

80. It is observed that the production of Front Axle Beam showed improvement up to 2007-08 and that of Steering knuckles up to 2006-07. However, the production shows significant decline in the POI in respect of both the products. A steeper decline is observed in the post POI period commensurate with sharp decline in sales in the third quarter of 2008-09; considering the fact that the products are “made to order” items.

d) Market Share

Market Share %	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (POI)	Oct-Dec.'08 (Post POI)
Front Axle Beam					
Subject imports	-	-	1.29	24.66	61.80
Domestic industry	100.00	100.00	98.71	75.34	38.20
Other Indian Producers	-	-	-	-	-
Steering Knuckles					
Subject imports	-	-	6.14	17.47	98.95

Domestic industry		35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
Other Producers	Indian	64.65	56.24	54.02	49.93	0

81. The market share of domestic industry declined significantly in the period of investigation apparently as a result of dumping, even though the domestic industry is having unutilized production capacities. The above table reflects a significantly high market share captured by the imports from China PR in a short span of time. Further, significant share has been captured by these imports in Oct-Dec'08 period (post POI). There has been a significant increase in the volume of imports within a short period whereby the domestic industry has lost significant market share. As per the Domestic industry's claim, the potential picture appears bleak and that it would be difficult for the domestic industry to sustain its vitality on these products.

e) Profit/Loss

82. Some of the interested parties have argued that the situation of the domestic industry on these factors continues to remain positive, even when the entire automotive industry was closed down due to global recession. The Authority notes that the evidence on record does not show that the entire automotive industry was closed down due to global recession. Further, the AD Rules do not prescribe that the domestic industry should have suffered losses, negative return on investment and negative cash profit in order to conclude that the domestic industry has suffered injury. The AD Rules merely require the Authority to assess whether performance of the domestic industry on this account deteriorated.
83. The Authority notes that Profits before tax in respect of the products under consideration were as under:

Rs. Millions	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Apr-Sep.'08 (Annualized)
Front Axle Beam	****	****	****	****	****
Trend	100	172	194	60	60
Steering Knuckles	****	****	****	****	****
Trend	100	176	214	57	57

84. It is observed that decline in sales volumes and consequently production & capacity utilization led to substantial decline in profits as seen in the above table. The applicant has claimed that even if they have been able to get price changes necessitated as a result of changes in the input costs, the volumes lost have led to substantial reduction in profits of the domestic industry. The

applicant has claimed that its cost of production would substantially increase as a result of decline in the sales volumes. The applicant claims a situation of losses, if they continue to lose market share.

f) Return on investment

85. The return on investment has declined for both the subject goods as shown in the table below:

Return on Investment - % (NFA basis)	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Front Axle Beam	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	89	132	52
Steering Knuckles	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	93	144	55

g) Cash Profit

86. It is seen from the table below that the cash profit of both the subject goods has declined significantly in the period of investigation.

Cash Profit (Rs. Millions)	2005-06	2006-07	2007-08	POI	Apr-Sep'08 (annualized)
Front Axle Beam	****	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	169	200	87	87
Steering Knuckles	****	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	168	210	101	101

h) Inventories

87. The products under consideration are tailor-made items. The applicant produces the subject goods only if there are orders from the customers. Therefore, inventories may not be an appropriate parameter to assess injury to the domestic industry.

i) Employment

Employment	2005-06	2006-07	2007-08	POI
No. of Employees	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	100	102	103

88. It is seen that since the applicant is a multi-product company, having significant domestic and export markets, and also because the imports of the subject goods commenced only recently, employment has not got affected so far.

j) Wages

Wages – Rs. Per Kg	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Front Axle Beam	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	94	120	191
Steering Knuckles	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	100	94	139	253

89. It is seen that the wage cost per KG of production of the subject goods have declined in 2006-07 and then increased.

k) Productivity

Productivity per day-MT	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Front Axle Beam	94	112	118	96
Steering Knuckles	29	29	23	20

90. It may be seen that the productivity has declined in line with the decline in production.

l) Magnitude of Dumping Margin

91. It is observed that dumping margins in respect of Chinese exports of the subject goods are significantly positive.

m) Ability to raise capital investments

92. The Authority notes that the Applicant Company is a multi-product company and may not have difficulty in raising fresh investment. However, adverse performance of the product may hinder the ability to raise fresh investments in future.

n) Growth

93. Growth in respect of both Front Axle Beam and Steering Knuckles has been negative in terms of both volume and price parameters. The production,

capacity utilization, sales volumes, sales value, profits, cash profits and return on investment all show a negative trend.

Threat of material injury

94. The Authority examined the applicant's claim for threat on injury as given below:

- There has been quite a steep increase in imports in a relatively short period, as is evident from the table below, particularly from the relative market share of imports of the subject goods:

	2007-08	2008-09 Q1	2008-09 Q2	2008-09 Q3
Import Volume – MT				
Front Axle Beam	221	685	913	571
Steering Knuckles	462	200	292	310
Market Share of Imports - %				
Front Axle Beam	1.29	17.83	31.73	61.80
Steering Knuckles	6.14	11.66	26.56	98.95

- The price undercutting is significant. The imports of the subject goods are entering at such prices that there is a likelihood of further importation:

Rs./Kg

Front Axle Beam	Machined
Landed Price	110.16
Net Selling Price	****
Price Undercutting	R ****
Price Undercutting %	R 12-17

Rs./Kg

Steering Knuckles	Forged	Machined	Total
Landed Price	88.75	159.21	138.73

Net Selling Price	****	****	****
Price Undercutting	****	****	****
Price Undercutting %	20-25	6-12	10-15

- The domestic industry has claimed that the website information of the Chinese producers shows that capacities created by the producers in China PR are more than their domestic demand. Therefore, there is a likelihood of increased volume of dumped imports flowing in to the country from China PR.
- It is seen that in a short span of time, significant share in the domestic market of the subject goods is already held by the dumped imports from the subject country and such shares are increasing.

I. Causal Link

95. It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows:

- Imports from Third Countries: - The subject goods are not being imported from third countries.
- Contraction in demand: - It is noted that demand for the products have shown significant decline. The applicant was therefore asked to advise the reasons for the decline in the demand and why this decline in demand should not be considered as a factor of injury. Considering that the products under consideration are consumed in production of medium and heavy commercial vehicles, information with regard to production of medium and heavy commercial vehicles in the Country was also collected. SIAM, Society of Indian Automobile Manufacturers at their website maintains information with regard to production of vehicles in the Country. It is noted that commercial vehicle production has shown a decline. Therefore, the decline in demand of the products appears to be on account of decline in production of medium and heavy commercial vehicles in the country.

However, the impact of the dumping on the domestic industry may be established by considering market share of various parties in the demand for the products in the Country. Market share of various producers are as follows:

Market Share %	2005-06	2006-07	2007-08	Apr-Sep'08 (POI)	Oct-Dec'08
Front Axle Beam					
China PR	-	-	1.29	24.66	61.80
Domestic industry	100	100	98.71	75.34	38.20
Steering Knuckles					
China PR	-	-	6.14	17.47	98.95
Domestic industry	35.35	43.76	39.84	32.60	1.05
Other Indian Producers	64.65	56.24	54.02	49.93	0

It is observed from the above that market share of domestic industry has significantly declined in the period of investigation. The data furnished by the applicant shows further decline in its market share in period October-December 2008(po^t POI). It is noted that within the available demand, the domestic industry has lost its market share. Apparently, the domestic industry was already facing the problem of declining demand, but the same was compounded by the dumped imports.

- c. Changes in the patterns of consumption: - The pattern of consumption with regard to the products under consideration has not undergone any change. Changes in the pattern of consumption could not have contributed to the injury to the domestic industry.
 - d. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers: - No trade restrictive practice has been noted, which could have contributed to the injury to the domestic industry.
 - e. Developments in technology: - Technology for production of the products has not undergone any change. Development in technology is not a factor of injury.
 - f. Export performance: - The domestic industry has provided price and profitability in the domestic and export market on segregated basis. Therefore, the analysis on injury is not impacted due to export performance.
96. Following parameters show the Causal Link: -

(1) It is observed that the imports of the subject goods from China PR were non-existent earlier. However, these imports from China PR have captured significant market shares in a short period. As a direct consequence thereof, the market shares of the domestic industry have declined. The decline in the market shares of the domestic industry appears to be a direct

consequence of dumping of the products in the Indian market. The applicant has claimed that this decline in the market shares are in spite of the fact that only a few customers have started buying from China PR as yet.

(2) The domestic industry lost sales volumes. Consequently it is noted that their profits, return on investment and cash profits have deteriorated materially.

Other injury parameters: -

97. Since the applicant is a multi-product company, having significant domestic and export markets, and further since the dumping commenced only recently, employment & wages have not been impacted so far. However, the productivity has declined in line with the decline in production. It is, therefore, concluded that the dumped imports originating in or exported from the subject country have caused material injury and there is case of threat of material injury to the domestic industry as well within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules read along with Annexure II of the AD Rules.

98. Magnitude of Injury and Injury margin:-

The Non injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during POI. Thus compared, the injury margin is worked out as under:

Cooperating Exporter

Particulars	Front Axle Beam	Steering Knuckles		Us \$ per Kg
	Machined	Forged	Machined	Average
NIP	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***
Injury Margin	***	***	***	***
Injury margin%	***	***	***	***
Range	10-15	22-27	11-16	15-20

Residual

Particulars	Front Axle Beam	Steering Knuckles	Us \$ per Kg

	Machined	Forged	Machined	Average
NIP	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***
Injury Margin	***	***	***	***
Injury margin%	***	***	***	***
Range	25-30	38-43	42-47	40-45

J. Conclusions:

99. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The products under consideration have been exported to India from China PR below their associated Normal values.
- (b) The domestic industry has suffered material injury in both the products under consideration. Besides, there is a case of threat of a material injury as well.
- (c) The material injury and threat thereof has been caused by the dumped imports of the subject goods from China PR.

K. Indian industry's interest & other issues

100. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

101. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti- dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline

of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. With a view to minimize the impact on the downstream industry, the Authority has considered it appropriate to recommend anti dumping duty based on the lower of the dumping and injury margins. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

L. Recommendations

102. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established definitively positive dumping margins concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country and as well as material injury and threat thereof to the domestic industry caused by such dumped imports; the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset dumping and injury in the instant matter. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duties concerning imports of the subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.
103. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Heading / Subheadin g	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)

1	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Front Axle Beam for Medium or heavy commercial vehicle	People's Republic of China	People's Republic of China	Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.35	Per KG	US\$
2	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Front Axle Beam for Medium or heavy commercial vehicle	People's Republic of China	People's Republic of China	Any other than at s no 1 above	Any other than at s no 1 above	0.63	Per KG	US\$
3	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Front Axle Beam for Medium or heavy commercial vehicle	People's Republic of China	Any	Any	Any	0.63	Per KG	US\$
4	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Front Axle Beam for Medium or heavy commercial vehicle	Any other than People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	0.63	Per KG	US\$
5	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Steering Knuckles for Medium or heavy commercial vehicle	People's Republic of China	People's Republic of China	Hubei Tri-ring Forging Co. Ltd.	Hubei Tri-ring Forging Co. Ltd..	0.64	Per KG	US\$
6	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Steering Knuckles for Medium or heavy commercial vehicle	People's Republic of China	People's Republic of China	Any other than at s no. 5 above	Any other than at s no. 5 above	1.11	Per KG	US\$

7	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Steering Knuckles for Medium or heavy commercia l vehicle	People's Republic of China	Any	Any	Any	1.11	Per KG	US\$
8	73269099 73261910 73261990 87085000 87089900	Steering Knuckles Medium or heavy commercia l vehicle	Any other than People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	1.11	Per KG	US\$

104. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
105. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority